

असली आजादी

■ वर्ष: 22, अंक: 22 ■ दमण, शनिवार 10 अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सुधांशु पंत ने दीव में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल हेतु 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया उद्घाटन

■ प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं से वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलने के साथ बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 9 अक्टूबर। वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान संवेदना और देखभाल की भावना को साकार करने के उद्देश्य से भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) तथा संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के साथ-साथ जिला प्रशासन दीव तथा राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान की सहायता से दीव में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल की आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि स्थानीय महिलाओं एवं अन्य प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने से वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए कुशल मानव संसाधन उपलब्ध होगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होने तथा परिवारों को अपने बुजुर्ग सदस्यों की बेहतर देखभाल उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर सुधांशु पंत ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रशिक्षित, संवेदनशील एवं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ऐसे कार्यकर्ताओं का समूह तैयार करना है, जो वरिष्ठ नागरिकों को बुनियादी देखभाल प्रदान कर सकें, उनकी आवश्यकताओं की समय रहते पहचान कर सकें, उन्हें उपयुक्त सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ सकें तथा भावनात्मक एवं मनोसामाजिक सहयोग उपलब्ध करा सकें। उन्होंने कहा कि दीव जिले के वरिष्ठ नागरिकों की विशिष्ट आवश्यकताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। इसका उद्देश्य स्थानीय स्तर

उद्देश्य से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुधांशु पंत ने इस पहल के लिए संघ प्रदेश दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के साथ-साथ जिला प्रशासन दीव तथा राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान की सहायता से दीव में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल की आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि स्थानीय महिलाओं एवं अन्य प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने से वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए कुशल मानव संसाधन उपलब्ध होगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होने तथा परिवारों को अपने बुजुर्ग सदस्यों की बेहतर देखभाल उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर सुधांशु पंत ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रशिक्षित, संवेदनशील एवं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ऐसे कार्यकर्ताओं का समूह तैयार करना है, जो वरिष्ठ नागरिकों को बुनियादी देखभाल प्रदान कर सकें, उनकी आवश्यकताओं की समय रहते पहचान कर सकें, उन्हें उपयुक्त सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ सकें तथा भावनात्मक एवं मनोसामाजिक सहयोग उपलब्ध करा सकें। उन्होंने कहा कि दीव जिले के वरिष्ठ नागरिकों की विशिष्ट आवश्यकताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। इसका उद्देश्य स्थानीय स्तर



पर उपलब्ध सहायता प्रणालियों को सुदृढ़ करना है। पंत ने कहा कि वृद्ध होती जनसंख्या की बदलती आवश्यकताओं के मद्देनजर यह कार्यक्रम विशेष महत्व रखता है। ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जो अकेले रहते हैं, दैनिक गतिविधियों के लिए दूसरों की सहायता पर निर्भर हैं अथवा जिन्हें परिवार से पर्याप्त देखभाल नहीं मिल पाती, उनके लिए प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में व्यावहारिक, सहभागितापूर्ण एवं क्षेत्र-आधारित पद्धति अपनाई जाएगी, ताकि प्रतिभागी प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल का उपयोग अपने समुदाय में प्रभावी ढंग से कर सकें। पाँच दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से

प्रतिभागियों को वृद्धावस्था के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक एवं सामाजिक पहलुओं की जानकारी देने के साथ वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षित, सम्मानजनक एवं संवेदनशील देखभाल के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताएँ विकसित की जाएँगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से दीव जिले में लगभग 50 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं तथा जमीनी स्तर पर कार्यरत किमियों को प्रशिक्षित एवं संवेदनशील बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे वरिष्ठ नागरिकों की बुनियादी देखभाल एवं सहायता प्रदान करने की उनकी क्षमता में वृद्धि होने की अपेक्षा है। प्रशिक्षण से वरिष्ठ नागरिकों की अतिरिक्त देखभाल संबंधी आवश्यकताओं की समय पर पहचान करने, आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उचित सेवाओं के लिए संदर्भित करने तथा सरकारी योजनाओं और सहायता व्यवस्थाओं के प्रति जागरूकता

बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे विशेष रूप से अकेले रहने वाले अथवा सीमित पारिवारिक सहयोग प्राप्त करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान सुधांशु पंत ने उपस्थित प्रतिभागियों को वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु शपथ दिलाई। शपथ के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता बनाए रखने, उनके अधिकारों और हितों की रक्षा करने तथा उनके लिए सुरक्षित, सहयोगपूर्ण एवं समावेशी वातावरण तैयार करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इस अवसर पर अपने संबोधन में जिला कलेक्टर राहुल देव बूरा ने कहा कि किसी समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपने बच्चों को भविष्य के लिए कितना तैयार करता है, बल्कि इस बात से भी होती है कि वह उन वरिष्ठ नागरिकों की कितनी अच्छी देखभाल करता है, जिन्होंने समाज और परिवार के निर्माण में

अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दीव में अनेक परिवारों के युवा सदस्य रोजगार एवं आजीविका के लिए पुर्तगाल, लंदन तथा अन्य देशों में रह रहे हैं, जबकि उनके माता-पिता और अन्य बुजुर्ग परिजन दीव में ही रहते हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों की नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। जिला कलेक्टर ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल को केवल घरेलू कार्य या कम कौशल वाले काम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे एक सम्मानजनक, कुशल एवं व्यवस्थित व्यवसाय के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को स्नान करने, भोजन करने, दवाइयाँ लेने, चलने-फिरने तथा

दैनिक गतिविधियों में सहायता के लिए प्रशिक्षित, जिम्मेदार और संवेदनशील देखभालकर्ताओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रशिक्षण से स्थानीय प्रतिभागियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, उन्हें रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर मिलेंगे और दीव के वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर देखभाल, सुरक्षा तथा सम्मान प्राप्त होगा। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से इस कार्यक्रम को केवल एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम न मानकर उपयोगी कौशल अर्जित करने और वरिष्ठ नागरिकों की आवश्यकताओं को संवेदनशीलता से समझने का अवसर मानने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान की वरिष्ठ नागरिक प्रभाग की पाठ्यक्रम समन्वयक आशा शर्मा एवं कनिष्ठ सलाहकार ऋतु ढंडरियाल इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन कर रही हैं। संस्थान के उपनिदेशक (प्रशिक्षण) एवं वरिष्ठ नागरिक प्रभाग के प्रमुख, जिला कलेक्टर

कार्यालय दीव तथा अन्य संबंधित हितधारकों के समन्वय से कार्यक्रम की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं व्यवस्थागत गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यह 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के क्षेत्र में स्थानीय क्षमता निर्माण, कुशल देखभालकर्ताओं की उपलब्धता तथा रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे दीव में वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर देखभाल सेवाएँ उपलब्ध कराने तथा उनके जीवन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक बनाने में सहायता मिलने की अपेक्षा है क्योंकि वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल केवल परिवार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उनके अनुभव, योगदान और गरिमा का सम्मान करते हुए उनके लिए संवेदनशील, सुरक्षित और समावेशी वातावरण तैयार करना आवश्यक है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने दीव में आयोजित की पश्चिमी क्षेत्र की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक

■ बैठक में मंत्रालय के अधिकारियों तथा गोवा, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और केंद्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा ■ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सुधांशु पंत ने अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने, लाभार्थियों की शत-प्रतिशत संतुष्टि तथा परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देते हुए प्रमुख कल्याणकारी, सामाजिक सशक्तीकरण एवं सामाजिक रक्षा योजनाओं की समीक्षा की



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 9 अक्टूबर। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आज केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव में पश्चिमी क्षेत्र की एक दिवसीय क्षेत्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य देश के पश्चिमी क्षेत्र में संचालित प्रमुख कल्याणकारी, सामाजिक सशक्तीकरण एवं सामाजिक रक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन की व्यापक समीक्षा करना था। बैठक में राजस्थान, गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ-साथ केंद्रशासित प्रदेश

दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव सुधांशु पंत ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने क्षेत्रीय समीक्षा बैठक के प्रमुख उद्देश्यों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। बैठक में योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन को परिणामोन्मुखी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर

हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित इस बैठक में केंद्रशासित प्रदेश के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में केंद्रशासित प्रदेश के समाज कल्याण विभाग के सचिव आशीष मोहन, दीव के कलेक्टर राहुल देव बूरा तथा समाज कल्याण विभाग के निदेशक-सह-उप सचिव पुनीत कुलश्रेष्ठ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में भाग लेने वाले राज्यों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों में राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक ललित कुमार, गोवा सरकार के

समाज कल्याण विभाग के निदेशक दीपक देसाई, महाराष्ट्र सरकार के समाज कल्याण विभाग की आयुक्त दीपा मुंढे तथा महाराष्ट्र सरकार की निदेशक सोनाली मुले शामिल थीं। इसके अतिरिक्त, गुजरात सरकार की ओर से अन्य पिछड़ा वर्ग प्रभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जगदीश वधवाना, सामाजिक रक्षा के उप निदेशक डॉ. प्रार्थना शेरशिया, अनुसूचित जाति कल्याण के उप निदेशक हिरन एल. चौधरी तथा अन्य पिछड़ा वर्ग प्रभाग के समाज कल्याण अधिकारी दीपक चावड़ा ने भी बैठक में भाग लिया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

मंत्रालय की ओर से अपर सचिव देबोलीना ठाकुर, संयुक्त सचिव सजीश कुमार एन., परवीन कुमार थिंद एवं डॉ. संदीप रेवाजी राठौड़, उप महानिदेशक प्रतिमा गुप्ता तथा निदेशक गौरव सिंह राजावत सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश के अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने और सामाजिक कल्याण से संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति पर विचार-विमर्श किया।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

लंडारी अवसान

स्व. सुनिल जगुभाई लंडारी
स्व. त।.: ०८-१०-२०२६

अत्यंत दिलगीरी साथे ज़ापापानुं के भारो पुत्र सुनिल जगुभाई लंडारी तारीख ०८-१०-२०२६ने गुजारा। रांज देपलोक पाभ्या छे.

प्रलु अेमना आत्माने शांति अर्पे अेज प्रार्थना.

सद्गत नुं भेसलुं : सोमवार ता. १२-१०-२०२६

दियसः रविवार ता. : १८-१०-२०२६

पुष्पांजलिः ता. १८-१०-२०२६ना रविवारे बपोरे ३.०० कलाडे

लि.

जगुभाई नारायणलंडारी (पिता)
तथा समस्त लंडारी परिवार
दीपेश पटेल (भित्र)

प्रज्ञेश लंडारी तथा भरपड गामना थुपा साथीओ

जियासस्थानः लंडारवाड, भरपड नानी दमण

कच्छ में भीषण सड़क हादसा : सोलर पार्क में ट्रैलर से टकराई बोलेरो, 7 मजदूरों की दर्दनाक मौत

कच्छ (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में सात मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह दुर्घटना खावड़ा सोलर पार्क जाने वाले मार्ग पर एक बोलेरो और ट्रैलर के बीच जोरदार टक्कर के कारण हुई। मृतकों में सभी मजदूर हैं, जो बोलेरो में सवार होकर काम पर जा रहे थे या लौट रहे थे। इस भयावह घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल पैदा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, खावड़ा पुलिस वेकोपस्ट से सोलर पार्क की ओर आने वाले रास्ते पर यह हादसा इतना दर्दनाक था कि बोलेरो में सवार 7 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अनुमान के मुताबिक, बोलेरो में पंद्रह से अधिक कामगार सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, मृतकों के शवों को खावड़ा लाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भुज रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि खावड़ा सोलर पार्क क्षेत्र में इस प्रकार का यह पहला बड़ा और दर्दनाक हादसा है। देर रात हुई भीषण दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है, ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

केरल बीजेपी अध्यक्ष की चेतावनी, विधानसभा सत्र में वैधता का मुद्दा उठाएगी पार्टी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की केरलम इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि एसआईआर को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा चुनावों की वैधता पर सवाल उठाए जाने के बीच उनकी पार्टी विधानसभा के आगामी सत्र में सदन की वैधता का मुद्दा उठाएगी। कांग्रेस समेत कई दल मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। चंद्रशेखर ने एक्स पर कहा कि बीजेपी 12 अक्टूबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में यह मुद्दा उठाएगी। चंद्रशेखर ने कहा कि इस विधानसभा की वैधता क्या है? क्या यह विधानसभा वैध है या अवैध?’’ केरलम में एसआईआर के बाद इस साल अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव में 140 सदस्यीय सदन में बीजेपी के तीन विधायक जीते थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सबसे पहले इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि क्या हम सभी अवैध रूप से चुने हुए हैं। यह मुद्दा मुझसे भी, मुरलीधरन, गोपकुमार और अन्य 137 विधायकों से जुड़ा है। चंद्रशेखर ने सीएम वीडी सतीश्राम से सदन में इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। बीजेपी नेता ने कहा कि अगर यह अवैध है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

इंफाल में चौकी पर हमला, आरएफफ का एक हेड कांस्टेबल घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की एक चौकी पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा ग्रेनेड फेंके जाने से आरएफफ का एक हेड कांस्टेबल घायल हो गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है। यूपी के रहने वाले हेड कांस्टेबल धनंजय राय इंफाल पूर्वी जिले में पोरोम्पत थाना क्षेत्र के न्यू लालुबाने स्थित आरएफफ चौकी के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और इलाके में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है। किसी भी उग्रवादी संगठन ने अब तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

एंगुलेंस में जोरदार धमाका, 40 फीट दूर जा गिरी छत ; मरीज की मौत, दो घायल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के मयूरभंज जिले में उदला उपमंडलीय अस्पताल के पास एक एंगुलेंस में आग लगने के बाद जोरदार धमाका हो गया। हादसे में एंगुलेंस से भुवनेश्वर ले जाए जा रहे मरीज की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाका इतना तेज था कि एंगुलेंस की छत उछलकर करीब 40 फीट दूर जा गिरी। घटना के बाद अस्पताल परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान कुंडाबाई इलाके के निवासी सुशय कुमार बारिक के रूप में हुई है। वह ब्लड इन्फेक्शन जैसी गंभीर समस्या से पीड़ित थे। बेहतर इलाज के लिए उन्हें भुवनेश्वर के एक अस्पताल में ले जाया जा रहा था। इसके लिए परिजनों ने एक निजी ऑपरेटर की एंगुलेंस किराये पर ली थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रास्ते में उदला उपमंडलीय अस्पताल के पास मरीज को ऑक्सीजन देने के लिए एंगुलेंस वालक ने सिलेंडर का वाल्व खोला। इसी दौरान एंगुलेंस में अचानक आग लग गई और कुछ ही क्षणों में जोरदार धमाका हो गया। धमाके के कारण एंगुलेंस की छत उछलकर लगभग 40 फीट दूर जा गिरी। इसके बाद आग ने पूरी एंगुलेंस को अपनी चपेट में ले लिया। एंगुलेंस में आग लगते ही मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

योगी सरकार ने महिलाओं को दिया मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर का तोहफा

लखनऊ,, एजेंसी। उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने दीपावली से पहले प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को राहत दे दी है। मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान होली और दीपावली पर एक-एक मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर भरवाने की योजना जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस योजना पर राज्य सरकार 2,142.78 करोड़ रुपये खर्च करेगी। कैबिनेट बैठक के बाद खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज पांडेय ने बताया कि योजना के तहत पहला मुफ्त सिलेंडर अक्टूबर से दिसंबर 2026 के बीच दीपावली के मौके पर और दूसरा जनवरी से मार्च 2027 के बीच होली पर मिलेगा। इसका लाभ उन्हीं उज्ज्वला लाभार्थियों को मिलेगा, इनके बैंक खाते आधार से जुड़े होंग और आधार प्रमाणीकरण पूरा होगा। योगी सरकार का कहना है कि इस



योजना से गरीब परिवारों को रसोई गैस उपलब्ध करने और स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। बैठक में जेवर हवाई अड्डे का नाम ‘नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नोएडा-जेवर’ रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री योगी ने इसकी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री योगी ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख कर कहा कि प्रदेश में 65 लाख से अधिक गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराए हैं। करीब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया रहा है। जल जीवन मिशन के तहत 2.46 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल

कनेक्शन मिले हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1.86 करोड़ मुफ्त गैस कनेक्शन दिए हैं। सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए हैं। इनके माध्यम से 9.90 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है। योगी सरकार के अनुसार, गंभीर बीमारियों से पीड़ित 1.09 करोड़ लोगों के उपचार पर 18,798 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने रोजगार और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उपलब्धियां गिनाकर कहा कि प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं और निजी क्षेत्र में 65 लाख नियुक्तियां हुई हैं। उन्होंने बताया कि 10 लाख स्वयं सहायता समूहों से एक करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। सरकार का दावा है कि इन योजनाओं से गरीब परिवारों, महिलाओं और युवाओं को लाभ पहुंचा है।

कैप्टन रिमंत मखार को इजरायल देगा वीरता पुरस्कार



फ्लाईट्रुबई पलाइंट को हाईजैक होने और कैश करने से बचाया था

नई दिल्ली , एजेंसी। 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईट्रुबई की फ्लाइट को हाईजैक होने से बचाने वाले कैप्टन रिमंत मखार को इजरायल सम्मानित करेगा। इजरायली राष्ट्रपति आइज़ेक हर्जोंग ने गुरुवार को इस घटना से जुड़े नायकों को सम्मानित किया। उन्होंने येरुशलम में छह इजरायली नागरिकों- ताली मानेस, जिस्का मानेस, यानिव हायुन, डॉ. शोता मुसायिव, आसाफ राजुआन और ओर पारिकलोव को राष्ट्रपति नागरिक वीरता पदक प्रदान किया। इन लोगों ने हमलावर को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। हर्जोंग ने उसी मौके पर भारतीय पायलट कैप्टन रिमंत मखार को भी वही पुरस्कार देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि

मखार की साहस, बहादुरी और पेशेवर रविये ने इस बड़ी आपदा को टाल दिया। मखार के स्वस्थ होने के बाद उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा। हर्जोंग ने मखार के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। कैप्टन रिमंत मखार फिलहाल अबू धाबी के एक अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। वे रिकवरी कर रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी उनकी हालत में सुधार की पुष्टि की है। इस घटना के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई नेताओं ने मखार को हौरो बताया। भारत और इजरायल के बीच मजबूत संबंधों का यह एक और उदाहरण बन गया है। यह सम्मान सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं बल्कि उन सभी का है जिन्होंने मिलकर विमान को बचाया। मखार की बहादुरी दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। उनके स्वस्थ होने और सम्मान समारोह का इंतजार सभी कर रहे हैं।

शक के आधार पर किसी को बांग्लादेशी बताकर नहीं निकाल सकती सरकार

बंगाल की शुभेन्दु की सरकार पर भड़के जज

कोलकाता, एजेंसी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में गुरुवार को खुली अदालत में सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार किसी को केवल शक के आधार पर बांग्लादेशी बताकर देश से नहीं निकाल सकती है। जस्टिस सीगत भट्टाचार्य की कोर्ट ने सरकार के इस आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। जस्टिस भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों को लोगों को अपनी नागरिकता साबित करने का पर्याप्त मौका देना चाहिए। यह टिप्पणी मुर्शिदाबाद के एक व्यक्ति की हिरासत और उसे देश से बाहर भेजने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए की गई। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि उनके मुक्किल को कुछ पड़ोसियों के बयानों से पैदा हुए शक के आधार पर 8 अगस्त से हिरासत में रखा गया था। याचिकाकर्ता की पत्नी ने फॉरनर्स रजिस्ट्रेशन ऑफिस



(एफआरआरओ) द्वारा उनके पति को देश से बाहर भेजने और हिरासत में लेने के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इस मामले में पत्नी को हिरासत में नहीं लिया गया है। याचिकाकर्ता के वकील रबीञ्जल इस्लाम ने सुनवाई के दौरान कहा, मेरे मुक्किल को करने के लिए स्पष्ट और योग्य प्रक्रिया का

पालन क्यों नहीं किया? सुनवाई के दौरान जस्टिस भट्टाचार्य ने इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ दावों के आधार पर किसी व्यक्ति की नागरिकता कैसे तय की जा सकती है? उन्होंने कहा कि उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता है। जज ने एक और अहम सवाल उठाया, 1970 के दशक से कितने लोगों ने सीमा पार की है? क्या उन सभी को वापस भेजना संभव है? इन टिप्पणियों के साथ, उन्होंने इस मामले को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास वापस भेज दिया ताकि इसे सही बेंच को सौंपा जा सके, जो इस संवेदनशील मुद्दे पर आगे सुनवाई कर सके। यह फैसला उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण राहत लेकर आया है जिन्हें केवल संदेह के आधार पर अपनी नागरिकता साबित करने और देश से निकाले जाने का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्र सरकार की नीतियों से कुछ चुनिंदा उद्योगपति समूहों को फायदा : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आर्थिक नीतियों के जरिए एकाधिकार और दो कंपनियों के दबदबे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से कुछ चुनिंदा उद्योगपति समूहों को फायदा मिल रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पोस्ट कर भाजपा पर आर्थिक उदारीकरण की भावना को कमजोर करने और अपने हितों के लिए आर्थिक आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले इस क्षेत्र में 13 कंपनियां थीं, जबकि अब तीन बड़ी निजी कंपनियों का दबदबा रह गया है। उन्होंने घरेलू विमानन क्षेत्र का जिक्र कर कहा कि पहले सात बड़ी कंपनियां थीं, लेकिन अब प्रमुख बाजार में दो कंपनियों का प्रभाव है। उनके मुताबिक, डिजिटल भुगतान, सीमेंट और भोजन पहुंचाने वाले मोबाइल मंचों सहित कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा कम होने की स्थिति दिखाई देती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि इन नीतियों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को नुकसान हुआ है तथा युवाओं के सामने बेरोजगारी की समस्या बढ़ी है।

दिल्ली में डेरा डाले हरीश रावत को वक्त नहीं दे रहा हाईकमान

नई दिल्ली, एजेंसी।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता हरीश रावत को दिल्ली में पार्टी हाईकमान से मिलने के लिए पूरा दिन इंतजार करना पड़ा। बुधवार को ही दिल्ली पहुंच चुके रावत को गुरुवार को कोई मुलाकात का वक्त नहीं मिल पाया। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में चुनाव आयोग से जुड़े एक महत्वपूर्ण मसले पर शीर्ष नेताओं की व्यस्तता के कारण उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। अब उम्मीद जताई जा रही है कि शुरुवार को उनकी मुलाकात प्रदेश प्रभारी सैलजा से हो सकती है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब हरीश रावत अपनी ‘जनसंवाद और धन्यवाद यात्राओं’ को लेकर पार्टी हाईकमान के निशाने पर हैं। रावत ने अपनी इस स्थिति पर सोशल मीडिया के माध्यम से गहरा दुख व्यक्त किया था। उन्होंने लिखा था कि वे पिछले 60 वर्षों से कांग्रेस में हैं, लेकिन कभी उनसे कोई जवाब-तलब नहीं किया गया। उनके इस बयान ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को



और हवा दे दी थी। हालांकि, इन चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ते हुए रावत ने स्पष्ट किया कि वे कांग्रेस नहीं छोड़ सकते और गांधी-नेहरू परिवार से अपना नाता नहीं तोड़ सकते। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि वे कांग्रेस के झंडे में ही लिपटकर जाना चाहते हैं, जो उनकी पार्टी के प्रति गहरी निष्ठा को दर्शाता है।गुरुवार को दिन भर इंतजार कर रहे हरीश रावत ने दिल्ली के बसंत कुंज स्थित अपने आवास पर बागेश्वर के प्रसिद्ध टंग्गडियां की गींठी का स्वाद लेते हुए और अपनी नई किताब का खाका तैयार करते हुए बिताया। शाम को एक मीडिया बातचीत में रावत ने

कहा कि शीर्ष नेतृत्व उनसे जो भी जानना चाहेगा, वे सभी बातें बताएंगे। उन्होंने अपने जीवन को एक खुली किताब बताया, जिसमें छिपाने जैसा कुछ नहीं है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री रावत बुधवार देर रात दिल्ली पहुंचे थे और उन्होंने राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रदेश प्रभारी सैलजा से मुलाकात का समय मांगा था। कांग्रेस हाईकमान ने रावत द्वारा शुरू की गई ‘जनसंवाद और धन्यवाद यात्राओं’ को प्रदेश संगठन के समानांतर एक शक्ति प्रदर्शन के तौर पर लिया है। राज्य के स्थानीय नेताओं की शिक्षाओं के बाद प्रदेश प्रभारी सैलजा ने रावत से स्पष्टीकरण मांगा था, जिससे कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति काफी गमगाई हुई है। सैलजा के बाद, राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल भी रावत की इन यात्राओं पर कड़ा रुख जाहिर कर चुके हैं। अब रावत को शीर्ष नेताओं के सामने अपनी यात्राओं पर स्पष्टीकरण देना है। रावत के प्रति हाईकमान के बदले हुए रुख से उनके समर्थक भी खासे बेचैन हैं।

भाजपा पर विरोधी मतदाताओं के वोट काटने का आरोप : केजरीवाल

जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को वोट नहीं देने वाले लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा रही हैं, जबकि फर्जी वोट जोड़े जा रहे हैं। केजरीवाल ने लोकतंत्र के लिए गंभीर मामला बताकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचेंगे और अन्य जंतर-मंतर पहुंचेंगे और अन्य नागरिकों से भी इसमें भाग लेने का आग्रह करते हैं। यह प्रदर्शन मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उठे विवाद के बीच आयोजित हो रहा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और इससे भाजपा विरोधी मतदाताओं को नुकसान हो सकता है। हालांकि, चुनाव आयोग और भाजपा इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं।

का मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और नागरिकों के मतदान के अधिकार से जुड़ा मामला है। उन्होंने प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा कर कहा कि वह अपने परिवार के साथ जंतर-मंतर पहुंचेंगे और अन्य नागरिकों से भी इसमें भाग लेने का आग्रह करते हैं। यह प्रदर्शन मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उठे विवाद के बीच आयोजित हो रहा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और इससे भाजपा विरोधी मतदाताओं को नुकसान हो सकता है। हालांकि, चुनाव आयोग और भाजपा इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं।

एसआईआर विवाद: सत्ता पक्ष का जोर जनता के भरोसे पर, विपक्ष सड़क पर

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एसआईआर के मुद्दे पर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। विपक्ष सड़कों पर उत्तरकर सरकार को घेर रहा है, वहीं सत्तारूढ़ खेमा विपक्ष से ज्यादा आम जनता के बीच भरोसे के पानस रहित है। यही वजह है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल दिल्ली की गहमागहमी से ज्यादा अपने जमीनी कार्यक्रमों और अभियानों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सत्ता पक्ष सोशल मीडिया के संभावित नकारात्मक प्रभाव को काट के लिए सामाजिक और क्षेत्रीय

समीकरणों को साध रहा है। संसद के मॉनसून सत्र से ही विपक्ष किसी न किसी मुद्दे पर सरकार पर हमलावर है। पहले छात्र आंदोलन और जेन-जी की तीखी प्रतिक्रिया को लेकर सरकार ने बड़े कदम उठाते हुए आंदोलनकारियों की मांगें मानकर उसे समाप्त किया था। सरकार का मानना ​​है कि इससे विपक्ष के संसूबे पूरे नहीं हो सके थे। अब विपक्ष ने एसआईआर पर सरकार को कटघरे में खड़ा कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा हुआ है। दिल्ली में बीते तीन दिनों से विपक्ष, खासकर कांग्रेस का नेतृत्व सड़कों पर है। भाजपा और विपक्ष के बीच तीखे शब्दबाज चलाए जा रहे

हैं। भाजपा ने भी अपने प्रवक्ताओं और प्रमुख नेताओं को मैदान में उतार दिया है, जो विपक्षी आरोपों का जवाब देने के साथ पलटवार भी कर रहे हैं। भाजपा के एक महासचिव ने कहा है कि विपक्ष को प्रदर्शन करने का हक है, पर जिस तरह वह सैवधानिक संस्थाओं पर हमले कर रहा है, वह लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उसे जनता का समर्थन नहीं मिलेगा और राजग की एकजुत्ता पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा। नेता चिराग पासवान ने भी कहा है कि अगर विपक्ष के लोग कुमार के इस्तीफे की तौ आयोग से सीधी बात करनी चाहिए।



(विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस विशेष - 10 अक्टूबर 2026)



संबंधों और लिविंग ब्रिजेस को और अधिक मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम का समापन दोनों देशों की समृद्धि और सामुदायिक एकता की कामना के साथ हुआ।

और दूसरों की खुशी का ख्याल रखते-रखते हम अपनी मानसिक शांति खो बैठते हैं। जीवन में सबसे ज्यादा जरूरी मानसिक सुकून है, जिसके कारण मनुष्य की सांस लेता है। मानसिक सुकून हमारे मन की खुशी से जुड़ा होता है। इसे हम खरीद नहीं सकते, बल्कि अपने सत्वर्माँ और अच्छे आचरण से ही प्राप्त कर सकते हैं।

परिवार नहीं, चरित्रवान जीवनसाथी नहीं, निरोपी शरीर नहीं, संस्कारशील बच्चे नहीं, सहयोगी परिवार और मित्र नहीं, समय नहीं, नाम और शोहरत नहीं, कोई सहाय नहीं तो किसी के पास धन-दौलत नहीं। दुनिया में कोई भी व्यक्ति जीवन की सभी खुशियों, सुकून और सुख-सुविधाओं के साथ परिपूर्ण नहीं हो सकता। समस्याएं सभी के जीवन में होती हैं, लेकिन उनके कारण पूरे जीवन परेशान रहकर और डर-डरकर जीना उचित नहीं है। हमारे पास जो उपलब्ध है, उसे समझाना बनने के बजाय मनुष्य अस्वस्थो बनकर अपने जीवन को स्वयं ही कष्टमय बना रहा है। मनुष्य अपने जीवन में खुशी की परिभाषा बदल रहा है। वह दूसरों के दुःख में खुशी और दूसरों की खुशी में ईर्ष्या से भर जाता है। अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति का दोहन करता है और फिर स्वयं ही अशुद्ध हवा, पानी, भोजन और भीमारियों की समस्याओं से परेशान होता है। भौतिक सुविधाओं के पीछे भागते हुए आज पैसा ही ईश्वर बन चुका है, यह साबित करने पर लोग तुले हुए हैं।

कुछ समय पहले मैंने एक खबर पढ़ी थी कि अमरीका की सिलिकन वैली के एक भारतीय उद्यमी ने अपनी 100 करोड़ रुपये की संपत्ति और आलीशान जीवनशैली त्यागकर भारत के एक छोटे से गांव में आकर बस गया। उसने भौतिक सुख-सुविधाओं के बजाय मानसिक सुकून, प्रकृति के निकट जीवन और आत्मिक संतुलन की प्राथमिकता दी। यह केवल एक उदाहरण नहीं है; दुनिया में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिल जायेंगे। जीवन में मानसिक शांति नहीं हो तो हमारे पास सब कुछ होते हुए भी हम भीड़ में खुद को तनहा पाते हैं। हमारा जीवन सबसे अनमोल है और मानसिक शांति हमारे जीवन की असली सफलता को दर्शाती है कि हम कितने सुकून से जी रहे हैं। पैसा केवल क्षणिक सुविधाएं खरीद सकता है। हमारे देश में मजदूर और किसान वर्ग में आत्महत्या की घटनाएं अविच्छेद रूप से मिलती हैं। छोटे व्यापारी वर्ग, छात्र, गृहिणी, युवा और सरकारी कर्मचारी वर्ग में भी आत्महत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। इसके मुकाबले राजनीतिक रसूल वाले व्यक्तियों और नेताओं में यह

हर कोई अपने फायदे के लिए दूसरों के मन से खेलता है। दूसरों की खुशी के लिए अपनी खुशियों का गला मत घोटिए। जो व्यक्ति हमारे बुरे वक्त में हमारा साथ देता है, भावनाओं की कद्र करता है और हमारी परवाह करता है, हमें भी उसकी कद्र करनी चाहिए। बाकी लोग अपने स्वार्थ के हिसाब से खेलते हैं, उन्हें अपने जीवन के साथ खेलने का मौका मत दीजिए। किसी की कटपुथाली मत बनिए। ऐसे लोगों से साधाधुन रहें और उनसे दूर रहें। अपनी आत्सिक खुशी का अर्थ समझिए। भौतिक सुविधाएं ही सब कुछ नहीं हैं। निश्चित होकर जीना सीखिए। तनाव से कोई फायदा नहीं, बल्कि केवल नुकसान होता है। जीवन की हर समस्या को एक अवसर मानकर हसते हुए पार कीजिए। संघर्ष जीवन का हिस्सा है, डरना नहीं, डटना है। जुनिया की महानतम शिक्षयतों से भी अपने जीवन को संघर्षों से सीखा है, तब जाकर उन्होंने नाम और शोहरत हासिल की है।

जीवन में आगे बढ़ना है तो अपना लक्ष्य निर्धारित करें और लगातार बेहतर बनने का प्रयास करते रहें। नित नया कुछ सीखें। जीवन के छोटे-छोटे पलों में भी खुशियां बांटना सीखें। जिंदगी से शिक्षायतें नहीं, समाधान ढूँढना सीखें। ओवर्थिंकिंग से बचें और लोगों से ज्यादा अपेक्षाएं न रखें। सभी हाकर बैटन नहीं हैं। समय परिवर्तनशील है, हमारा भी समय बदलोगा। जैसे ताववरण में हम रहते हैं, वैसा ही हमारे शरीर और मन पर असर पड़ता है। इसलिए बुरे विचारों वाली लोगों और बुरी आदतों से हमेशा दूर रहें। घर-परिवार की जिम्मेदारी के साथ अपनी खुशी का भी ख्याल रखें। स्वस्थ रूचियों, व्यायाम, पशुप्रेम, समाजसेवा, पोषणकारिता और प्रकृति से निकटता बढ़ाएं। ये जीवन से सुकून लेकर आते हैं। पौष्टिक भोजन करें, संगीत सुनें, यात्रा करें, सामूहिक श्रमदान का हिस्सा बनें और अपनी खुबियों को जानें। जिस विषय में रुचि हो, उस पर काम करें। बस, हमारी वजह से किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। यह हमनेमोल जिंदगी एक बार मिलती है। जिंदगी जीने के लिए है, काटने के लिए नहीं। व्यस्तता का बहाना छोड़ें और अपनी खुशी के लिए समय निकालना सीखें। अपना बेहतर कम करके रहें और अगला बढ़ते रहें। सबसे ज्यादा स्वयं की मानसिक शांति को प्राथमिकता दें, खुश रहें और तनावमुक्त जीवन जिएं।

आज मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं अत्यधिक तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन लोग इन समस्याओं से समझौता करके घुट-घुटकर जी रहे हैं। तनाव के कारण सिजोफ्रेनिया और मनोविकार, द्विध्रुवी और मनोदास विकार, प्रमुख असाधारणतया विकार, प्रोस्टू-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और गंभीर चिंता, खाने के विकार, मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार, टाइप-2 मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम, हृदय रोग, मोटापा, क्रांनिक ऑसोट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, तंत्रिका संबंधी विकार और मस्कुलोस्केलेटल समस्याएं, क्रांनिक दर्द सिंड्रोम, माइग्रेन, ऑस्टियोपेरोसिस और गति संबंधी विकार, गैस्ट्रोटेस्टाइनाल तंत्रा प्रतारक्षा संबंधी विकार जैसे अनेक गंभीर विकार होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए दुनियाभर में हर साल 10 अक्टूबर को 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। वर्ष 2026 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम "निजी अनुभवों को सुनना: असली आवाजें, असली बदलाव" है। मनुष्य को पशुओं की भांति सरल जीवन जीना चाहिए, लेकिन झूठे दिखावे और आधुनिकता की होड़ में वह अपने मानसिक स्वास्थ्य को बर्बाद कर रहा है। कई बार जीवन में दूसरों की खुशी के लिए ईंसान अपनी खुशी भी त्याग देते हैं। यह सिलसिला चलता रहता है।

अपने आस-पास किसी भी प्रकार के संदिग्ध वाहनों की आवाजाही या अवैध शराब का कारोबार देखते हैं, तो तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन नंबर 112 पर सूचना दें। सूचना देने वाले नागरिक की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी।

फायर विभाग से संपर्क करने के महत्व को रेखांकित किया गया। साथ ही कर्मचारियों को विभाग के इमरजेंसी लैंडलाइन नं.02875-253039 और 02875-252764 नोट करवाए गए। अधिकारियों पर समझाया कि कैसे इन नंबरों पर सहाय रहते सूचना देकर जान-माल के बड़े नुकसान को टाला जा सकता है।

13.30 बजे चुनार, 15.40 बजे डीडियू, 17.08 बजे बक्सर, 18.00 बजे आरा, 19.00 बजे दानापुर स्क. हुए 20.05 बजे पटना जं. पहुँचेंगे वामपरी में, गाड़ी सं. 04181 पटना प्रयागराज में मेल स्थल 11 अक्टूबर 26 अक्टूबर तक पटना जं. से प्रतिदिन 21.00 बजे खुलकर 21.20 बजे दानापुर, 22.05 बजे आरा, 23.30 बजे बक्सर, आरा दिना 02.20 बजे डीडियू, 03.23 बजे चुनार, 04.20 बजे मिर्जापुर, 04.35 बजे विन्ध्याचल 05.02 बजे माँडा रोड, 05.23 बजे मेजा रोड, 06.00 बजे नैनी स्केत ह. 06.30 बजे प्रयागराज पहुँचेंगे।

केंद्राधिकारित प्रतियोगिता द्वाारा शरीर आगरा प्रतियोगिता शरीर आगरा प्रतियोगिता



पर्यटन विभाग, डा.न.क. एवं दामन एवं दीप

निविदा सूचना

दामन वित्त में स्वतंत्र रोडवर्क निर्माण कार्य (लाइव्हिग वॉल-
स्क्रूट) केंद्राधिकारित प्रतियोगिता द्वाारा शरीर आगरा प्रतियोगिता शरीर आगरा प्रतियोगिता

हेतु निविदा आमंत्रण (आवश्यक) (2026 को)



विषय: <http://www.daman.gov.in/>
info@damn.gov.in
 Phone No. (961-2250002)

निविदा क्रमांक: 2026_DAMAN_5012_1
 निविदा क्र. 3/123/2026/DN&DM/5012/2026

चर्चा चौकी बगल करनी है अतिरिक्त तिथि : 22/10/2026
 वीथी शुल्क की तिथि : 23/10/2026

निदेशक (पर्यटन), पर्यटन विभाग, ब्रिटीश भवन, कच्छीयाम, दमन - 396 215
 NO./P/DMN/2/5/2026-27/576

तारीख: 10/10/2026

एलन मस्क के बयान से उठते गंभीर सवाल- भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि



संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट) ने भारत में कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसका जवाब तलाशना और पूरी गंभीरता से देना बहुत जरूरी हो गया है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि उद्यारीकरण और भूमंडलीकरण के इस दौर में प्राइवेट कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा होनी ही चाहिए ताकि लोगों को फायदा भी हो और उनके पास चुनने का विकल्प भी हो। इसी तर्क का हवाला देकर भारत के अंदर भी कई लोग एलन मस्क की पीड़ा को सही बताते हुए सरकार को नसीहतें दे रहे हैं। लेकिन भारत की संप्रभुता और वैश्विक कंपनियों को भारत में कारोबार करने की इजाजत देने के बीच में एक बहुत ही हल्की सी रेखा आती है, जिसे पार करते ही कई तरह की समस्याएं खड़ी हो सकती है। भारत के अंदर, हर भारतीय को यह स्वतंत्रता है कि वो अपनी सरकार से सवाल पूछ सके, अपनी सरकार पर सवाल उठा सके लेकिन क्या हम यही स्वतंत्रता किसी विदेशी कारोबारी को दे सकते हैं? कतई नहीं, भारत का असली बॉस कौन है, यह तय करने और बताने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ भारतीयों के पास ही रहना चाहिए। एलन मस्क ने 8 अक्टूबर को अपने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ' स्टारलिक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और कंपनी भारत सरकार के हर नियम और जरूरत को पूरा करने में पांच साल से काम कर रही है, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं? जिस अंदाज में और जितनी तेजी से राहुल गांधी ने इस पर कमेंट किया,



उसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मस्क के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए राहुल ने लिखा, 'भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शब्दों के मिलने तक इंतजार कीजिए।' राहुल गांधी के जवाब से गदगद मस्क ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा, 'धन्यवाद राहुल, यह वाकई परेशान करने वाला है।' यहां यह याद रखना भी बहुत जरूरी है कि मस्क पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में इस सेक्टर से जुड़े बड़े कारोबारी स्टारलिक की एंट्री भारत के बाजार में रोककर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जवाब देने के

कारण, मामला बहुत गंभीर हो गया है। पिछले कई दिनों से राहुल, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और यह बात स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और विपक्षी दल खासकर राहुल के साथ संवादहीनता की स्थिति आ गई है, जिसे कतई सही नहीं माना जा सकता है। इतने गंभीर मसले पर राहुल की इतनी तेजी से की गई टिप्पणी को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यहां साफ-साफ नजर आ रहा है कि राहुल ने एक बड़ी गलती कर दी है,जिसका जवाब अब उन्हें लगातार देते रहना पड़ेगा।

भारत सरकार ने गुरुवार, 8 अक्टूबर को ही मस्क के आरोपों को खारिज करते हुए यह साफ कर दिया कि, देश में सैटेलाइट कम्प्यूनिकेशन सर्विसेज के लिए तय नियम सभी के लिए एक जैसे हैं। फिलहाल, तीनों कंपनियों के लिए सुरक्षा समीक्षा की प्रोसेस चल रही है। जैसे ही किसी कंपनी की सुरक्षा जांच पूरी हो जाएगी, वह अगली स्टेप यानी सेक्ट्रम आवंटन की मांग करने के लिए आगे बढ़ सकती है। सरकार ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि, यह कहना बिल्कुल गलत है कि नियमों को किसी के साथ भेदभाव करने के लिए लागू किया जा रहा है। मस्क के अलावा एयरटेल के मालिक सुनील भारती मित्तल की कंपनी वूटेलसैट वनवेब और मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो भी लाइसेंस लेने की होड़ में है। एलन मस्क के आरोप अपनी जगह है लेकिन भारत की कोई भी सरकार देश की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी तरह का समझौता नहीं कर सकती है। इस मामले में भारत के महत्वपूर्ण और बड़े राजनीतिक दलों को एक ही पेज पर होना चाहिए। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह संसद के प्रमुख दलों को इससे जुड़े तथ्यों से अवगत कराएं। सरकार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी मित्र एलन मस्क को भी दो टूक शब्दों में यह बता देना चाहिए कि बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत की सरकार पर कोई दबाव नहीं डाला जा सकता है। यह मामला बहुत बड़ा है और इसे दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों के लिए एक उदाहरण की तरह पेश किया जाना चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि सच कुछ बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए लेकिन ट्रंप प्रशासन जिस तरह से भारत, भारतीय कंपनियों और भारतीयों के खिलाफ लगातार फैसले ले रहा है, उसे भी ध्यान में रखना बहुत जरूरी है।

संपादकीय

फार्मा कंपनियों के तोहफे

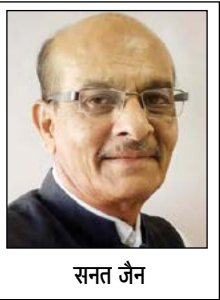
लंबे समय से यह बात सार्वजनिक विमर्श में रही है कि मरीजों के हितों पर कुताराघात करके, फार्मा कंपनियों उपहार देकर चंद डॉक्टरों व अस्पतालों को साध रही हैं। फार्मा कंपनियां हजारों करोड़ रुपये का बजट डॉक्टरों को खुश करने के लिये रखती हैं ताकि उनके उत्पाद खरीदने के लिये मरीजों को बाध्य किया जा सके। विडंबना यह है कि सरकारें सब-कुछ जानते-बूझते हुए भी खामोश बैठी रहती हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार को अब निर्देश देना पड़ा है कि वह फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर अविलंब रोक लगाए। बाकायदा, डॉक्टरों को खुश करने के लिये, तोहफे देने वाली फार्मा कंपनियों पर लगाम लगाने के लिये विशेषज्ञ कमेटी बनायी जाए। निश्चय ही इस अपवित्र गठजोड़ को नियामक तंत्र के दायरे में लाने की दिशा में यह एक स्वागत योग्य कदम होगा। निर्विवाद रूप से यह एक हकीकत है कि आर्थिक प्रलोभन या कीमती तोहफे मरीजों को दिए जाने वाले दवाइयों के परामर्श को प्रभावित करते हैं। फार्मा कंपनियों के इशारे पर लिखे गए प्रिस्क्रिप्शन का असर मरीजों और उनकी उपचार लागत पर पड़ता है। इस अनैतिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने की दिशा में अदालत की पहल वक्त की जरूरत है। अदालत में वादी द्वारा दायर याचिका में इस बात पर बल दिया गया था कि फार्मा कंपनियां चुनिंदा दवाइयों की बिक्री बढ़ाने के लिये चिकित्सकों को महंगे तोहफे, विदेश यात्राएं आदि अन्य प्रकार के लाभ पहुंचाती हैं। निश्चित रूप से ऐसी अनैतिक परंपराएं जहां एक ओर क्लिनिकल फैसलों पर प्रभाव डाल सकती हैं, वहीं जरूरत से ज्यादा दवा लिखने की गलत प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दे सकती हैं। दरअसल, रोगों से जूझ रहा मरीज या तिमरदार आमतौर पर यह निर्णय नहीं ले पाते कि कोई दवा कितनी जरूरी है या नहीं है। यह भी कि किसी दवा का बाजार में अन्य सस्ता विकल्प मौजूद है कि नहीं। लेकिन इस प्रलोभन नीति के चलते फार्मा कंपनियां अपना उल्लू सीधा करने में कामयाब हो जाती हैं।

यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि देश में इस अनैतिक परिपाटी पर अंकुश लगाने के प्रावधान पहले से ही मौजूद हैं। पहले से ही यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसिज-2024 के तहत डॉक्टरों को फार्मा कंपनियों से किसी भी प्रकार के तोहफे लेने, देश-विदेश की महंगी यात्राओं की सुविधाएं पाने या किसी भी तरह से आर्थिक लाभ लेने पर रोक लगाई गई है। बाकायदा इस बाबत शिकायत आने पर उसके निपटारे के लिये भी व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि शिकायतों के निपटारे के लिये एथिक्स कमेटी, खर्चों की जानकारी देने और शीर्ष पैनल सिस्टम भी मौजूद हैं। वह बात अलग है कि नियामक संस्थाएं यदा-कदा ही जागती हैं। इसके बावजूद, केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण सवाल को माना है कि क्या फार्मा कंपनियों को किसी कानूनी नियम-कायदे के दायरे में लाया जाना चाहिए? पुराने अनुभव तो यही बताते हैं कि स्वेच्छ से नियमों का पालन करना एक व्यावहारिक विकल्प नहीं हो पाता है। उपभोक्ताओं व मरीजों में जागरूकता के अभाव में ऐसे मामले होने के बावजूद बहुत कम शिकायतें सामने आती हैं। इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि फार्मा कंपनियों का खेल जारी नहीं है। दरअसल, कम शिकायतें सामने आने की अन्य कई वजहें हैं। मसलन, डॉक्टरों को महंगे उपहार या आर्थिक लाभ के मामलों की कम रिपोर्टिंग का होना, नियमों का ठीक प्रकार से लागू न हो पाना या फिर ताकतवर फार्मा लॉबी का सामना करने में हिचकिचाहट की वजह से शिकायतें कम नजर आती हैं। उल्लेखनीय है कि पहले आवश्यक वस्तु अधिनियम या द्रा एंड कॉन्सेप्ट्स कानून के जरिये इसे कानूनी आधार देने की कोशिशों पर अधिकार क्षेत्र और इसकी कानूनी वैधता को लेकर प्रश्न उठे थे। ऐसे में फिर जरूरी हो जाता है कि प्रस्तावित कमेटी को अफसरशाही की लेट-लतीफी से बचाया जाए। कमेटी को वैश्विक बाजार मॉडल, हितों के टकराव, जानकारी अजागर करने की जरूरत, ऐसे मामलों में सजा, स्वतंत्र जांच और मेडिकल रेगुलेटर की भूमिका की जांच करनी चाहिए। सही मायने में सरकार को एक स्पष्ट कानूनी रोडमैप तैयार करना चाहिए, जिससे किसी नये कानून की जरूरत का पता चल सके।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे झड़वर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढों में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आग्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भगुहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढरां जो चिर प्रयब से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनने, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुर्गुरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुर्गुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।



सनत जैन

एक ही झटके में दूबे 11.37 लाख करोड़...

भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए गुरुवार का दिन बहुत खराब साबित हुआ। एक ही झटके में 11.37 लाख रुपए निवेशकों के दूब गए। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से लेकर गौतम अडानी की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। सभी सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। शेयर बाजार 1045 अंक गिरकर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 71593 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 371 अंक की गिरावट के साथ 22232 पर बंद हुआ। सही रही कसर डॉलर के मुकाबले रुपया ने लगभग 97 रुपए के स्तर पर पहुंचकर पूरी कर दी। पिछले दो सप्ताह से रिजर्व बैंक डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को संभालने के लिए काफी प्रयास कर रहा है। इसके बाद भी रुपया गिरने से रुक नहीं रहा है। रही सही कसर कच्चे तेल के दाम बढ़ने से डॉलर की मांग



ललित गर्ग

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देता है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहन सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुरदुरापन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजीवता कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीब भी थे। नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेधुमारा हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अटूटा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहाणियां भी अनंत-अथाह। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विषय को देखने एवं विषय को भारत दिखाने की पहल का एक खणीम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी इंसान के लिये प्रेरणादायी अध्याय भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में घिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और महज 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे।



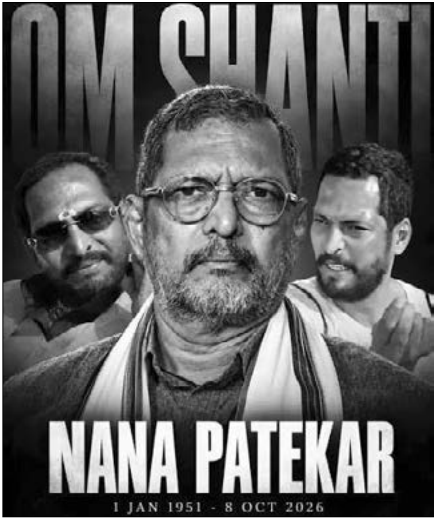
बढ़ती जा रही है, जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपया में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कच्चे तेल और डॉलर का भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे डॉलर के रेट रुपए के मुकाबले बढ़ रहे हैं, इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को उठाना पड़ रहा है। आखिर शेयर बाजार की यह हालत क्यों हुई, इसको लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में रेपो रेट में बदलाव किया है। रेपो रेट 0.25 आधार अंक बढ़कर 5.50 की गई है। इसको लेकर मार्केट में घबराहट देखने को मिल रही है। वैश्विक देशों के शेयर बाजारों में भी इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। जिसका असर भारतीय शेयर बाजार में दिख रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है, भारत के शेयर बाजार से विदेशी निवेश लगातार

निकलता चला जा रहा है, जिसके कारण डोमेस्टिक निवेशक भी घबराहट में आ गए हैं। भारत की वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी भारी दबाव देखने को मिल रहा है। इससे भारत का शेयर बाजार निकट भविष्य में सुधर पायेगा? इसको लेकर तरह-तरह की चिंता व्यक्त की जा रही है। रही सही कसर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दादा ने पूरी कर दी है। ट्रंप ने एक नया फरमान जारी किया है। जिसमें भारत की 8 आईटी कंपनियों को पीईआरएम प्रोग्राम से बाहर किया है। इनमें इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, कॉर्निजेंट, कैपजेमिनी सहित आठ कंपनियों के कर्मचारियों को अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट और एडोब भी शामिल हैं। इसका असर भारतीय कंपनियों में पड़ना तय है। ट्रंप के इस कदम से भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिका में काम मिलने से दिक्कत होगी, जिसका प्रभाव

नाना पाटेकर: अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार

काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया। कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचान दी। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुरुआत फिल्म 'ममन' से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म 'परिदा' से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिया। इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। 'अंगार' में उनका नकारात्मक किरदार, 'तिरंगा' में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव वागले, 'क्रांतिवीर' में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, 'अग्निसाक्षी' में जटिल मानसिकता वाला पात्र और 'खामोशी: द म्यूजिकल' में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुंह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होते

देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे। नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय 'वेलकम' है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय श्रेठी के रूप में ऐसी कॉमेडी की कि नहीं पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गई। उनका 'कंट्रोल, उदय, कंट्रोल!' जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में 'अब तक छप्पन', 'अपहरण, शक्ति: द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेचनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। 'नटसम्राट' (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है। नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। 'प्रहार: द फाइनल अटैक' का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद है। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कटोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टेरिटीरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पंढे पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रीयता किसी नारे की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और समाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण संकट से वे गहराई से जुड़े। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ नाना फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया



कि वे एक सच्चे 'क्रांतिवीर' थे जिन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की वकालत की। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्टार बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहे। वे ग्लैमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्मों ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रबोध को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों ने उनके भीतर के मनुष्य को जीवित रखा। उनके अभिनय की विरासत केवल पुरस्कारों में नहीं, उन पात्रों में है जिन्हें उन्होंने अमर कर दिया। परिदा का अन्ना, क्रांतिवीर का प्रताप, तिरंगा का शिवाजी राव, अब तक छप्पन का पुलिस अधिकारी, नटसम्राट का गणपत बेलवलकर और वेलकम का उदय श्रेठी-ये सभी नाना के अलग-अलग चेहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, संवेदनशीलता के साथ जीता था। नाना पाटेकर का जीवन हमें यह सदृश देता है कि प्रतिभा अक्सर की मोहताज नहीं होती। जिस किशोर ने कभी 35 रुपये महीने के लिए फिल्म पोस्टर रंगे थे, वही आगे चलकर तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों और पद्मश्री से सम्मानित हुआ। भारत ने एक अभिनेता खोया है, लेकिन उनकी कला, आवाज, संवाद, संघर्ष और संवेदनशील नागरिक की छवि लंबे समय तक जीवित रहेगी। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी फिल्म शायद उनका अपना जीवन था-संघर्ष से शुरू हुई, संवेदना से समृद्ध हुई और कर्म की सच्चाई पर समाप्त हुई। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विदेश

संक्षिप्त

समाचार

नेपाल में फिर कापी धरती: पश्चिमी क्षेत्र में आया 4.1 तीव्रता का भूकंप, कई जिलों में महसूस किए गए झटके

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में बुधवार रात 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके बजुरा के साथ आसपास के कई जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक कहीं से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के मुताबिक, भूकंप बुधवार रात स्थानीय समयानुसार 9:37 बजे आया। भूकंप का केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बजुरा जिले की बुधीगंगा नगरपालिका-10 में जमीन के भीतर था। यह जगह राजधानी काठमांडू से करीब 750 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। भूकंप के झटके बजुरा के अलावा पड़ोसी बाजहांग, कालिकोट और अछाम जिलों में भी महसूस किए गए। अचानक धरती हिलने से इन इलाकों में लोगों को भूकंप का अहसास हुआ, हालांकि कतिहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। नेपाल में सालभर छोट-बड़े भूकंप आते रहते हैं। हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने की वजह से यह देश दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय इलाकों में शामिल है। नेपाल का बड़ा हिस्सा भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आता है, जिसके चलते यहां भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है।

क्रिस्टा पाइक की नाकाम कोशिश के बाद अमेरिका में पहली फांसी

टेक्सास , एजेंसी। टेक्सास में 46 वर्षीय जमाल हॉवर्ड को बुधवार शाम घातक इंजेक्शन देकर फांसी दी गई। वह इस साल अमेरिका में फांसी दिए जाने वाला 30वां व्यक्ति और टेक्सी में क्रिस्टा पाइक को घातक इंजेक्शन देने की नाकाम कोशिश के बाद देश में फांसी पाने वाला पहला कैदी है। हंट्सविले की जेल में पेंटागॉनबिल्टल की घातक खुराक दिए जाने के बाद हॉवर्ड को रात 8:03 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 2000 में सिसबी शहर के एक स्टोर में डकैती के दौरान 42 वर्षीय कर्मचारी विकी स्वाटआउट की गोली मारकर हत्या करने का दोषी ठहराया गया था। घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज भी अदालत में सबूत के तौर पर पेश की गई थी। फांसी से पहले 70 किलोमीटर की यात्रा के दौरान हॉवर्ड अधिकारियों से बातचीत करता रहा और प्रक्रिया को लेकर सवाल पूछता रहा। अंतिम बयान में उसने पीड़िता के परिवार से माफ़ी मांगी।

दो करोड़ लोगों से लिया शुल्क, गूगल के खिलाफ ब्रिटेन में मुकदमा शुरू

लंदन, एजेंसी। प्ले स्टोर पर पेड सुविधा, गेमिंग आइटम या इन-ऐप सब्सक्रिप्शन पर ऐप डेवलपर्स से 30% तक की फीस लेने के मामले में गूगल को ब्रिटेन में बड़ा झटका लगा है। लंदन की अदालत में इस मामले पर कंपनी के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है। मुकदमे का मुख्य आरोप यह है कि गूगल के इस भारी कमीशन के कारण ऐप डेवलपर्स को अपने ऐप्स और सर्विसेज के दाम बढ़ाने पड़े। मामलों की अगुवाई कर रही उपभोक्ता नीति विशेषज्ञ लिज कोल का कहना है कि ब्रिटेन के लगभग 2 करोड़ उपभोक्ताओं ने अनजाने में इन छिपे हुए शुल्कों के कारण ऐप्स और गेम्स के लिए ज्यादा कीमत चुकाई है। शिकायतकर्ता का दावा है कि गूगल ने मोबाइल बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का गलत इस्तेमाल (एकाधिकार का दुरुपयोग) किया है, इसलिए ग्राहकों का पैसा वापस मिलना चाहिए। वहीं अपने बचाव में गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट का कहना है कि एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं को अन्य ऐप स्टोर इस्तेमाल करने की पूरी आजादी देता है।

काला सागर में सुरक्षा पर रूस-यूक्रेन युद्ध का असर

सोफ़िया, एजेंसी। बुल्गारिया की राष्ट्रपति इलियाना योतोवा ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण काला सागर क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति में 'महत्वपूर्ण गिरावट' आई है। बुल्गारिया के तट के पास ड्रोन हमलों में दो वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने के बाद सुरक्षा परिषद की आपात बैठक हुई। हमलों में टोगो-ध्वज वाला जहाज अल्फा वतन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर डूब गया, जबकि पलाऊ-ध्वज वाला ख़ल आग लगने के बाद क्षतिग्रस्त हुआ। एवल के सभी 18 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया, लेकिन अल्फा वतन के चालक दल की तलाश बुधवार को रोक दी गई और किसी जीवित व्यक्ति या शव का पता नहीं चल सका।

रूसी लैब में कर्मचारी की मौत पर डब्ल्यूएचओ ने मांगी जानकारी, प्लेग की आशंका, खतरे का अभी पता नहीं

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडेर्नोम गैबरेयेसेस ने रूस के एक प्लेग संबंधी लैब में एक कर्मचारी की मौत पर सरकार से और जानकारी मांगी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के पास अभी तक घटना की पूरी जानकारी नहीं है, जिससे वह खतरे का आकलन करने में असमर्थ है। एक मीडिया ब्रीफिंग में बुधवार को टेड्रोस ने कहा कि शुरुआती मीडिया रिपोर्ट्स में इरकुत्स्क एंटीप्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में लैब में अचानक हुए न्यूमोनिक प्लेग के संदिग्ध मामले का सुझाव दिया गया था। टेड्रोस ने कहा, 'पिछले शुक्रवार 2 अक्टूबर को रशियन फेडरेशन में इरकुत्स्क एंटीप्लेग

असली आजादी

सऊदी एयरपोर्ट पर हतियों का हमला, 3 की मौत

ड्रोन-मिसाइल हमले में 36 घायल; जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर सऊदी की एयरस्ट्राइक

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने बुधवार को यह जानकारी दी। आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है। वहीं, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

विदेशी नागरिकों ने हमले में जान गवाई : आभा एयरपोर्ट पर हमले में मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिला नागरिकों की मौत हुई। साथ ही यहां 28 लोग घायल हुए, जिनमें सऊदी, बांग्लादेशी और फिलीपींस के नागरिक शामिल हैं। वहीं, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सूडानी नागरिक की मौत हुई। यह 8 लोग घायल हुए, जिनमें 5 सऊदी नागरिक, 2 मिस्त्र के निवासी और एक पाकिस्तानी निवासी शामिल हैं।

जोएसीए ने बताया कि सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। साथ ही अधिकारी सुविधाओं की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

हतियों ने अरामको रिफाइनरी पर हमले का भी दावा किया : इससे पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या



सरी ने सऊदी अरब में कई जगहों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। इसमें रबीच में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अरामको पर हमला भी शामिल है। सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन बड़े सैन्य अभियान चलाए। पहले हमले में रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। सरी ने दावा किया कि हमला सीधे लक्ष्य पर हुआ और इससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। दूसरे हमले में रबीच स्थित अरामको की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। सरी ने दावा किया कि हमले के बाद वहां आग लग गई। तीसरे हमले में हूतियों ने आभा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और असीर क्षेत्र के अकिफा कैप को निशाना बनाने का दावा किया। इसके अलावा नजरा और जिजान में अन्य

महत्वपूर्ण ठिकानों पर भी हमले किए जाने की बात कही गई। सरी ने दावा किया कि ये हमले यमन पर सऊदी अरब के हमलों के जवाब में किए गए। उनके मुताबिक, इससे पहले के 24 घंटों में सऊदी अरब ने यमन पर 60 हवाई और मिसाइल हमले किए थे। सऊदी ने यमन में मिसाइल लॉन्च करने वाला ठिकाना नष्ट किया : इस बीच, यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है। गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुकी अल-मालिकी ने कहा कि यह कार्रवाई यमन की राजधानी सना में की गई। उनके मुताबिक, वहां सऊदी अरब पर एक और हमला जल्द किया जा सकता था। यमन में हूतियों के खिलाफ सैन्य अभियान जारी यमन सरकार हूती

विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रही है। इसका मकसद यमन और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास कब्जाए इलाकों को वापस पाना है। इस सैन्य अभियान में यमन सरकार को सऊदी अरब से समर्थन मिल रहा है। सितंबर में हूतियों ने यमन के लाल सागर तट पर रोजी से बढ़ते हुए मोचा शहर और बाब अल-मंदेब के आसपास के कई अहम इलाकों पर कब्जा कर लिया था। इससे इस रणनीतिक समुद्री रास्ते पर हूतियों की पकड़ मजबूत हो गई थी। लेकिन अब तत्वीर बदल गई है। 5 अक्टूबर को सऊदी समर्थित यमनी सेना ने हूतियों के खिलाफ बड़ा जवाबी अभियान शुरू किया। यमनी सेना ने बाब अल-मंदेब के पास धुबाब इलाके और कई अहम ठिकानों पर दोबारा कब्जे का दावा किया। इसके बाद सेना मोचा की तरफ बढ़ी और यमनी सरकार ने शहर को भी हूतियों से वापस लेने का दावा किया। रॉयटर्स के मुताबिक, सरकारी बलों ने हूतियों को पिछले महीने कब्जे में लिए गए ज्वादातर इलाकों से पीछे धकेल दिया है। अल जजीरा के मुताबिक, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में संगठन ने यमन में सरकारी बलों के 11 ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए। सरी के मुताबिक, यमनी सरकार के बलों को बाब अल-मंदेब के पास प्रमुख रास्तों पर निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों में दर्जनों लोग हताहत हुए, जिनमें सैन्य कमांडर भी शामिल थे। कई गाड़ियां भी नष्ट हो गईं।

टेक्सास में ट्रंप की रैली में

प्रदर्शनकारियों ने डाला खलल

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात टेक्सास के सैन एंटोनियो में रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन में रैली की। ट्रंप का लक्ष्य ऐसे समय में टेक्सास के मतदाताओं को रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में लामबंद करना है, जब राज्य में डेमोक्रैट्स की चुनौती बड़ रही है। रैली के दौरान कम से कम एक दर्जन प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के भाषण को बार-बार बाधित किया और कुछ को पुलिस ने बाहर निकाल दिया।

एक प्रदर्शनकारी के विरोध के बाद ट्रंप कुछ देर के लिए माइक्रोफोन से दूर चले गए। उन्होंने इरान युद्ध को लेकर अपनी हालिया टिप्पणी पर भी सफाई दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर ईरान किसी अमेरिकी शहर पर हमला करता है तो अमेरिका इसकी अनुमति नहीं देगा। ट्रंप ने कहा, 'हम अपने शहरों की रक्षा करते हैं। हम अपने देश की रक्षा करते हैं।

टेक्सास लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति की कम अभूवल रेटिंग, इरान उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन में रैली की। ट्रंप एक महीने से भी कम समय में तीसरी बार टेक्सास पहुंचे हैं और पार्टी ने राज्य में चुनावों के लिए अब तक 30 करोड़ डॉलर से अधिक खर्च किए हैं। रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट ने रैली में हिस्सा नहीं लिया, जिस पर डेमोक्रैट्स ने निशाना साधा। वहीं, सीनेट की दौड़ में डेमोक्रैटिक उम्मीदवार जेम्स तालारिको की मजबूत फंडेजिंग और पैक्सटन से जुड़े विवादों ने मुकाबले को कड़ा बना दिया है। ट्रंप ने पैक्सटन को 'शाश्वद अमेरिका के सबसे महान अटॉर्नी जनरल' बताया और उनके समर्थन में जोरदार अपील की, जबकि उन्होंने अपना अधिकांश भाषण तालारिको पर हमले करने में खर्च किया।

सीक्रेट मिशन का झांसा: सीआईए के पूर्व अफसर ने हड़पी सोने की सिल्लियां और 1843 करोड़

अलेक्जेंड्रिया, एजेंसी। अमेरिका की सबसे ताकतवर और खूफिया जासूसी एजेंसी 'सीआईए' के भीतर से एक ऐसा सनसनीखेज फजीवाड़ा सामने आया है, जिसने सुरक्षा और ऑर्डिंटिंग व्यवस्था की धजियां उड़ा दी हैं। एजेंसी के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने अत्यंत गोपनीय सरकारी मिशन का झूठा ताना-बाना बनाकर सरकार के खजाने से सैकड़ों सोने की सिल्लियां और अरबों रूपए के फंड अपने निजी ऐशो-आराम के लिए हड़प लिए। वर्जीनिया की संघीय अदालत में मंगलवार को 49 वर्षीय पूर्व सीआईए अधिकारी डेविड जे. रश ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, रश



ने अपने पद और सरकारी अधिकार का दुरुपयोग करते हुए 40 मिलियन डॉलर (करीब 380 करोड़ रुपये) से अधिक की सोने की सिल्लियां और फ्लोरिडा में करोड़ों की लग्जरी

संपत्तियां अवैध रूप से हासिल की थीं। अमेरिकी न्याय विभाग (डोजे) के अनुसार, रश के इस सुनियोजित फजीवाड़े से अमेरिकी संघीय सरकार को कुल मिलाकर लगभग 194 मिलियन डॉलर (करीब 1,843 करोड़ रुपये) का भारी नुकसान हुआ है। रश ने वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप स्वीकार कर लिया है, जिसके तहत उसे अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। जिला जज माइकल नचमनॉफ आगामी 28 जनवरी 2027 को रश की सजा का ऐलान करेंगे। जांच में सामने आया कि रश ने सरकारी पैसे और सोने पर हाथ साफ करने के लिए एक काल्पनिक जासूसी ऑपरेशन की

पटकथा तैयार की थी। रश ने सहेलियों और सरकारी ठेकेदारों से झूठ बोला कि वह उच्चाधिकारियों द्वारा अधिकृत एक अत्यंत संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा गतिविधि पर काम कर रहा है। इसी बहाने उसने संघीय खजाने से सोने की सिल्लियां जारी करावा लीं। इसके बाद डेविड जे. रश ने 145 मिलियन डॉलर (करीब 1,377.5 करोड़ रुपये) सरकारी ट्रांसफर करा लिया। हब पेसे से उसने पाम बीच और होव साउंड (साउथ फ्लोरिडा) में 4 आलीशान संपत्तियां खरीदीं, जिन्हें वह बाद में ऊंचे दामों पर बेचकर व्यक्तिगत मुनाफा कमाना चाहता था।

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार पर अपना दावा ठोक दिया है। उनका कहना है कि उन्होंने दुनिया में आठ युद्ध खत्म कराए हैं और ऐसे काम किए हैं, जो उनसे पहले किसी ने नहीं किए। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर इतने बड़े काम करने के बाद भी उन्हें यह सम्मान नहीं मिलता, तो इससे नोबेल पुरस्कार देने वाली समिति की साख को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने ये बातें बुधवार दोपहर व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को नॉर्वे की नोबेल समिति करने वाली है।

मैंने आठ युद्ध खत्म कराए : ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में अपने कामों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे कदम उठाए हैं, जिनकी मिसाल पहले देखने को नहीं मिली। उन्होंने कहा, 'मैंने वो काम किए हैं, जो किसी और ने कभी नहीं किए। मैं अपनी तापीफ नहीं कर रहा, बल्कि सिर्फ तथ्य बता रहा हूं। शायद ही किसी राष्ट्रपति ने कभी कोई युद्ध खत्म कराया हो। मैंने आठ युद्ध खत्म कराए हैं।' सम्मान नहीं मिला तो नोबेल समिति पर उठेंगे सवाल : अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि नोबेल समिति की छवि ऐसी रही है कि वह शायद उनके जैसे व्यक्ति को यह पुरस्कार नहीं देना चाहती। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पुरस्कार मिले या न मिले, वह पहले ही बहुत कुछ कर चुके हैं। ट्रंप के मुताबिक, जब कोई नेता आठ युद्ध



रकवाने का दावा करता है, तो उसके योगदान को नजरअंदाज करना समिति के लिए बड़ा नुकसान साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह यह बात किसी नाराजगी या तंज के तौर पर नहीं, बल्कि अपने कामों के आधार पर कह रहे हैं। आठ महीने से जारी युद्ध पर भी ट्रंप की नजर : ट्रंप ने संकेत दिया कि उनकी युद्ध रकवाने की कोशिशें अभी खत्म नहीं हुई हैं और वह एक और संघर्ष को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। माना जा रहा है कि उनका इशारा अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध की ओर था, जो अब आठवें महीने में पहुंच चुका है। ट्रंप ने इस संभावित पहल को लेकर विस्तार से कुछ नहीं बताया, लेकिन उनके बयान से साफ है कि वह अपने शांति प्रयासों को नोबेल पुरस्कार के दावे का अहम आधार बना रहें हैं। ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को 2009 में मिले नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा कि वह खुद इस सम्मान के ज्यादा हकदार हैं। उन्होंने ओबामा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें आज तक सम्मान नहीं आया कि यह पुरस्कार किस वजह से मिला था। ट्रंप के मुताबिक, ओबामा को राष्ट्रपति चुने जाने के तुरंत बाद ही यह सम्मान दे दिया गया था।

C
M
Y
K

C
M
Y
K

आर्कटिक ओपन

तन्वी कोमिली हार

सिंधु क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं

वंटा (फिनलैंड)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु गुरुवार को जापान की रिको गुंजी को 21-15, 21-15 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गई हैं। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने यह मुकाबला 49 मिनट में अपने नाम किया। अब क्वार्टर-फाइनल में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त और थाईलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रत्नानोक इंतानोन से होगा। इस क्वार्टर-फाइनल मुकाबले से विमेंस बैडमिंटन सर्किट की एक पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से देखने को मिलेगी, हालांकि दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना साल 2022 के बाद से नहीं हुआ है। 'हेड-टू-हेड' रिकॉर्ड में इंतानोन 9-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले पांच मुकाबले जीते हैं। दोनों की पिछली भिड़ंत साल 2022 में इंडोनेशिया मास्टर्स में हुई थी, जिसमें थाई खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत हासिल की। सिंधु

को अपने शानदार 2026 अभियान से आत्मविश्वास मिलेगा, जिसके तहत उन्होंने 'जापान ओपन सुपर 750' का खिताब जीता है। उन्होंने जुलाई में फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर अपने हालिया करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। इंतानोन को भी इस सीजन में सफलता मिली है; उन्होंने मई में फाइनल में चीन की चेन युफेई को मात देकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 का खिताब जीता। थाई खिलाड़ी ने तन्वी शर्मा को 21-18, 21-7 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। तन्वी पहले गेम में ज्यादातर समय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के बराबर बनी रहीं, उन्होंने 17-17 से बराबरी भी की, लेकिन इंतानोन ने गेम के आखिर में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए पहला गेम जीत लिया।



लैंडोनॉरिसकाविश्वासकायम

मैकलारेन की मेहनत पर जताया भरोसा

मरीना बे (सिंगापुर)। लैंडोनॉरिस को भरोसा है कि सिंगापुर जीपी से पहले मैकलारेन ने अपनी तैयारियों में जरूरी सुधार किए हैं। उनका मानना है कि टीम ने परिस्थितियों का अच्छे तरह विश्लेषण किया है और अब बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। समर ब्रेक से ठीक पहले और उसके तुरंत बाद नॉरिस ने शानदार फॉर्म दिखाई थी; उन्होंने ब्रेक के दौरान होगरियन जीपी और डच जीपी जीती थी। वह इटली में चौथे और स्पेनिश जीपी में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अजरबैजान जीपी में संघर्ष करना पड़ा, जहां कई कारों की टक्कर के बाद उन्हें रैस छोड़नी पड़ी। इसके बाद बहरीन जीपी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और छठे स्थान पर रहे। नॉरिस के टाइटल जीतने की उम्मीदें बहुत कम हैं, क्योंकि उनके पास 188 प्वाइंट्स हैं और

वह चैंपियनशिप लीडर किमी एंटेनेली से 132 प्वाइंट्स पीछे हैं। मरीना बे स्ट्रीट सर्किट पर सिंगापुर जीपी से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मौजूदा चैंपियन ने उम्मीद जताई कि टीम ने समस्याओं को हल करने के लिए काम किया है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह पहले कार को ट्रैक पर ले जाकर देखना चाहते हैं। नॉरिस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'कुछ स्पष्ट चीजें थीं, जैसे स्ट्रेट-लाइन स्पीड और कार के साथ मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं। यह भी कि हम कार से और बेहतर परफॉर्मेंस कैसे निकाल सकते हैं, ताकि वापस उसी स्थिति में आ सकें, जो कि एक मुश्किल काम है। बावजूद में भी हम बहुत तेज नहीं थे, इसलिए यह सिर्फ मलेशिया की बात नहीं थी। मुझे उम्मीद है, बस कार को ट्रैक पर ले जाकर देखना है कि वह कैसी है।



संक्षिप्त

समाचार

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को झटका

बाहर हुए चैपमैन और फॉल्क्स

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड को अपने घर में भारत के खिलाफ 22 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सीरीज से पहले कीवी टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। मार्क चैपमैन और जेक फॉल्क्स चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। चैपमैन को जाघ में खिंचाव है, जबकि फॉल्क्स कूल्हे की चोट से



परेशान हैं। इन दोनों की सीरीज से बाहर होना न्यूजीलैंड को मुश्किल में डाल सकता है। इसकी वजह दोनों खिलाड़ियों का इस फॉर्मेट में अनुभव और प्रदर्शन है। मार्क चैपमैन को पिछले महीने यूरोपियन टी20 लीग खेलने के दौरान हेमरिडिंग में चोट लगी थी। उनके भारत के खिलाफ वनडे सीरीज तक ठीक होने की उम्मीद है। वहीं, फॉल्क्स को अभ्यास के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लग गई। फॉल्क्स की वापसी कब तक होगी, इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। चैपमैन और फॉल्क्स की जगह न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में जोश वलार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया है।

शुभंकर ने कपिल देव

इनविटेशनल टूर

चैंपियनशिप में चार-शॉट की बढ़त बनाई

ग्रेटर नोएडा। शुभंकर शर्मा ने गुरुवार को कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के दूसरे राउंड के बाद सात-अंडर 65 का स्कोर करके चार-शॉट की बढ़त हासिल कर ली। 12 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाली यह प्रतियोगिता ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रीजॉर्ट में जारी है। चंडीगढ़ के 30 वर्षीय गोल्फर (68-65) ने दिन की शुरुआत पिछले दिन के लीडर शौर्य भट्टाचार्य से दो स्ट्रोक पीछे रहकर की थी। उन्होंने एक इंगल, सात बर्डी और दो बोगी के



साथ 11-अंडर 133 का स्कोर हासिल किया। डीपी वर्ल्ड टूर पर दो बार जीत हासिल कर चुके शुभंकर ने अप्रैल में पीजीटीआई के बोर्डर्स वलासिक में जीत हासिल की थी, जिससे उनका प्रोफेशनल खिताब जीतने का आठ साल का इंतजार खत्म हुआ था। चंडीगढ़ के ब्रशवरपाल सिंह (72-65) ने शुभंकर के बराबर दिन का सबसे कम स्कोर बनाया। उनके सात-अंडर 65 के स्कोर में आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी, जिससे वे पिछले दिन संयुक्त 11वें स्थान से ऊपर उठकर सात-अंडर 137 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत वनडे विश्व कप 2025 का खिताब है: अंजुम चोपड़ा

'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा'

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि हाल ही में कप्तानी छोड़ने वाली हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप 2025 जीतना होगा। चोपड़ा ने कहा कि कौर टीम को जिस टीम से मिली थी, उससे कहीं ज्यादा मजबूत, अनुभवी और आत्मविश्वासी टीम के तौर पर छोड़कर गई हैं। अंजुम चोपड़ा ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, 'एक लीडर के तौर पर हरमनप्रीत की सबसे बड़ी पहचान हमेशा 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतना रहेगी। उस टूर्नामेंट में उनकी बैटिंग, लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल में, और कैसे टीम सभी के योगदान से वहां तक पहुंची। यह सिर्फ हरमन की वजह से नहीं था। हर खिलाड़ी के योगदान से हरमन वह ताज उठा पाई और भारत जीत सका। हरमन का कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने वनडे की कप्तानी संभाली है। पहले, हम टी20 बहुत कम खेलते थे और शेड्यूल में ज्यादा वनडे गेम होते थे। हाल के वर्षों में यह बदल गया है। अब अधिकांश द्विपक्षीय दौरों में वनडे से ज्यादा टी20 होते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा है। उनकी विरासत हमेशा इस बात से

मापी जाएगी कि उन्होंने कहां से कप्तान संभाली और कहां छोड़ी। वनडे फॉर्मेट में इंडियन टीम वर्ल्ड चैंपियन है। जब उन्होंने कप्तान संभाली थी, तब की तुलना में यह टीम कहीं



ज्यादा मजबूत, ज्यादा ऊर्जावान, स्क्रिलफुल और अनुभवी है। अगर इसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह इंडियन टीम सही रास्ते पर है।' अंजुम ने कहा, 'बतौर क्रिकेटर लंबी यात्रा के बाद भी मुझे नहीं लगता कि हरमनप्रीत कौर एक ईंसान के तौर पर बदली हैं, भले ही महिलाओं के खेल के लिए

उनके आस-पास की चीजें काफी बदल गई हों। मैंने उनमें कभी भी जल्दबाजी वाला पहलू नहीं देखा। उन दिनों से लेकर अब तक मैंने हरमनप्रीत कौर में हमेशा एक शांत स्वभाव देखा है। एक कप्तान के तौर पर, अगर मैदान में कोई मामूली कोशिश करता है—जैसे गेंद को रोकने में नाकाम रहना, उसे जल्दी वापस न फेंकना या एक अतिरिक्त रन देना—तो वह उस व्यक्ति को मैदान पर ही मौका देती हैं, चाहे कैमरे उन्हें पकड़ें या नहीं। लेकिन जिस पल वही व्यक्ति अच्छा स्टॉप करता है, विकेट लेता है या कैच लेता है, वह सबसे पहले दौड़कर उसकी तारीफ करती हैं। मैंने इतने सालों में कप्तान हरमन के दोनों पहलू देखे हैं। एक व्यक्ति के तौर पर हरमनप्रीत नहीं बदली हैं और यही उनकी खूबसूरती है। 'ग्लोबल इवेंट्स में टीम इंडिया के जीत की दावेदार बनने की प्रक्रिया के सवाल पर अंजुम ने कहा, 'यह इसलिए बदला है क्योंकि हमने सकारात्मक तरीके से परिणाम देkhना शुरू कर दिया है। मैं यह नहीं कह रही कि पहले के कप्तान परिणाम नहीं देते थे, लेकिन जब हरमन ने टीम संभाली, तो गुयाना में 2018 वर्ल्ड कप में भी, मुझे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच याद है, उन्होंने शतक लगाया था।



अंजुम ने कहा-

'मैंने 2025 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भी लगातार कहा है कि इंडिया के पास बॉलिंग की कमी है। जीत पक्की करने के लिए उन्हें दो विकेट लेने के लिए शेफाली को लाना पड़ा। मैं बहुत खुश हूँ कि हमने वह वर्ल्ड कप जीता, लेकिन हमारे पास अभी भी बॉलिंग डेथ की कमी थी। आज भी, हम क्रांति गोड़ जैसे एक फास्ट बॉलर के साथ खेलते हैं, और नंदिनी शर्मा अभी-अभी आई हैं।' हरमनप्रीत के इस्तीफे वाले पोस्ट में त्याग शब्द पर अंजुम ने कहा, 'सबसे बड़ा त्याग जो आप करते हैं, वह है खेलने की अपनी शैली को किनारे रखना। कभी-कभी आप नंबर तीन पर बैटिंग करना चाहते हैं, लेकिन टीम को आपसे नंबर चार या ओपनिंग करने की जरूरत होती है, इसलिए आप वह मुश्किल रोल निभाते हैं। आपकी टीम के फायदे को अपने फायदे से पहले रखना होगा। हो सकता है आप बॉलिंग करना चाहें या न करना चाहें, या टीम को आपकी जरूरत बाउंड्री लाइन पर हो सकती है—वे छोटी-छोटी बातें हैं।

फ्रेंडली मुकाबले में रूस के हाथों

0-4 से भारतीय महिला फुटबॉल टीम की हार



कोलकाता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को फ्रेंडली मैच में रूस के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला गुरुवार को कोलकाता के किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेला गया। दुनिया में 69वें नंबर पर मौजूद भारत ने 27वें नंबर की रूसी टीम को मैच के पहले हाफ में काफी देर तक रोके रखा, लेकिन ब्रेक के बाद रूस के लगातार दबाव का असर दिखा।

याना शेइना ने 40वें मिनट में पहला गोल किया, जिसके बाद सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी किरा पेट्रुखोवा ने 60वें और 65वें मिनट में दो गोल दागे। याना स्विस्तुनोवा ने 81वें मिनट में गोल करके स्कोर पूरा किया। भारत के हेड कोच क्रिस्तिन छेत्री ने इस मैच का इस्तेमाल कई युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए किया; बेबीसाना देवी थिंगबैजम, मालती मुंडा, सिंडी कोल्नी, शुभांगी सिंह, धुर्गा पेरुमल और सिबानी देवी नोंगमेइकापम ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। गोलकीपर मोनालिशा देवी मोइगंथेम ने अपना तीसरा इंटरनेशनल मैच भी खेला। यह कोलकाता में भारत का पहला महिला इंटरनेशनल मैच था और वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े अंतर के बावजूद मेजबान टीम ने अनुशासित शुरुआत की। रूस का बॉल पर कब्जा और मैदान पर दबदबा ज्यादा था, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया और रूसी खिलाड़ियों के पार्सिंग के रास्ते बंद करने के लिए कड़ी मेहनत की। मोनालिशा ने भी रूसी खिलाड़ियों को गोल करने से रोकने के लिए कई अहम बचाव किए।

मैच के आधे घंटे के आसपास भारत बहुत बनाने के करीब था, जब बॉक्स के अंदर गेंद मालविका पी. के पास आई, लेकिन रूसी गोलकीपर ततालिया सिलिना ने तेजी से अपनी लाइन से बाहर आकर उस मौके को खत्म कर दिया। हाफ के आखिर में लिंडा कॉम सैंटी को भी मौका मिला, लेकिन भारत मिले मौकों को गोल में नहीं बदल सका।

रूस से हार के बाद बोले महिला फुटबॉल टीम के कोच क्रिस्तिन छेत्री

युवा टीम होने के बावजूद हमने कैरेक्टर दिखाया

कोलकाता। भारत महिला फुटबॉल टीम के हेड कोच क्रिस्तिन छेत्री ने किशोर भारती क्रीड़ांगन में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में रूस से 0-4 से हारने के बाद भी अपनी युवा टीम का समर्थन किया है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में छेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस मैच की पॉजिटिव बात यह है कि एक युवा टीम होने के बावजूद, हमने कैरेक्टर दिखाया। हम दबाव बनाने से नहीं डरते, हम भागने से नहीं डरते। हम वही करने की कोशिश करते हैं जो हमारे कंट्रोल में होता है।' हेड कोच ने टीम के 25-दिन के कैंप के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए कमिटमेंट पर भी जोर दिया और रूस की फिजिकल मौजूदगी और सेट-पीस से निपटने की उनकी कोशिशों की ओर इशारा किया।



उन्होंने कहा, 'सबसे जरूरी बात यह है कि हमने कैरेक्टर दिखाया, हमने हार नहीं मानी। मेरे लिए यह सबसे अच्छी बात है।'

छेत्री ने माना कि जून से कॉम्पिटिटिव फुटबॉल की कमी रूसी टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण साबित हुई। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए कीमती होगा क्योंकि वे इंटरनेशनल लेवल पर आगे बढ़ रहे हैं।

11 अक्टूबर को होने वाले दूसरे फ्रेंडली मैच को देखते हुए, छेत्री ने बताया कि टीम लंबे समय तक अपनी इंटीसिटी बनाए रखने की अपनी काबिलियत को बेहतर बनाने पर काम करेगी। साथ ही, पहले मैच के आखिरी स्टेज में खेलने वाले युवाओं को ज्यादा मौके भी देगी।

रणजी ट्रॉफी

जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली

सौराष्ट्र टीम में जडेजा शामिल

राजकोट। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी



2026/27 के पहले मैच के लिए सौराष्ट्र की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए जडेजा को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के दो मैचों के टेस्ट

दौरे से पहले रेड-बॉल लय बनाने में मदद मिलेगी। रणजी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें गत चैंपियन सौराष्ट्र को आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ एलीट ग्रुप बी में रखा गया है।

उनादकट की लीडरशिप में सौराष्ट्र अपने कैप्टन की शुरुआत राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगा। सौराष्ट्र, जिसने उनादकट की लीडरशिप में 2019/20 और 2022/23 में दो बार प्रीमियर घरेलू खिताब जीता था, ने पिछले सीजन की टीम के 14 खिलाड़ियों को रिटर्न किया है।

लेफ्ट-आर्म पेसर उनादकट ससेक्स के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने सात मैचों में 22.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं।

सौराष्ट्र टीम

जयदेव उनादकट (कप्तान), रवींद्र जडेजा, हार्दिक देसाई (विकेटकीपर), अर्पित वासवदा, चिराग जानी, प्रेरक मांछड़, जय गोहिल, चेतन सकारिया, अंकुर पवार, समर गज्जर, पार्थ मुटु, विश्वराजसिंह जडेजा, हेतविक कोटक, नील पांड्या, अर्ध यादव, तरंग गोहिल।



अभिनय को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से बेहद ख़ुश है संदीपा धर

हल ही में रिलीज हुई ओटीटी सीरीज 'चुंबक' में अपने अभिनय को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से अभिनेत्री संदीपा धर बेहद खुश हैं। 'चुंबक' में संदीपा धर के साथ सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, नीना गुप्ता और मानसी पारेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। सीरीज के निर्देशक आतिश कपाड़िया के साथ अपनी पहली मुलाकात और उनके द्वारा दिए गए अनोखे नैरेशन के अनुभव को याद करते हुए संदीपा ने इसे बेहद खास बताया। मुंबई के बीके सी में सीरीज के प्रमोशन के दौरान, संदीपा धर ने अपने सह-कलाकारों सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, नीना गुप्ता और मानसी पारेख के साथ इस अनुभव को साझा किया। संदीपा ने बताया कि आतिश कपाड़िया ने कहानी सुनाते समय सभी किरदारों को स्वयं निभाकर दिखाया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह बहुत हैरान करने वाला था। जब उन्होंने मुझे कहानी सुनाई, तो उन्होंने सभी किरदार निभाए। एक किरदार को दूसरे किरदार में जाते समय उनकी आवाज, बोलने का अंदाज और हावभाव पूरी तरह बदल जाते थे। अभिनेत्री ने आगे बताया कि आतिश ने इतनी बारीकी से प्रस्तुति दी कि उन्होंने बैकग्राउंड म्यूजिक तक तैयार कर रखा था। संदीपा ने उस पल को याद करते हुए कहा, मैं बस उन्हें देख रही थी और सोच रही थी कि हे भगवान, ये इंसान कौन हैं? इससे पहले, संदीपा ने आतिश कपाड़िया के साथ काम नहीं किया था, लेकिन उनके नैरेशन ने ही उनके मन में आतिश के साथ काम करने और उनसे सीखने की गहरी इच्छा पैदा कर दी थी।

अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद उनकी उत्सुकता और भी बढ़ गई। उन्होंने कहा, जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मैं बस हैसती रह गई। यह बहुत मजेदार थी। मुझे लगता है कि इसमें आतिश कपाड़िया की झुझिम, हास्य और उनकी पूरी रचनात्मक शैली की स्पष्ट दृष्टिकोण मिलती है। संदीपा ने यह भी व्यक्त किया कि उन्हें सीरीज में कोई भी भूमिका मिलती, वह उसे करने के लिए तैयार रहतीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर अभिनेता का अपना होता है कि वह इस तरह के सेटअप में काम करे। अगर मुझे किरन का किरदार नहीं भी मिलता और कोई दूसरा रोल दिया जाता, तब भी मैं उस करती। यह अनुभव शानदार था।

सलमान ने किया मुश्किल दौर को याद

अभिनेता सलमान खान ने अपने करियर के उस दौर को याद किया है, जब उनकी फिल्मों, निजी जिंदगी और कानूनी मामलों को लेकर लगातार नकारात्मक खबरें सामने आती थीं। 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में सलमान ने कंटेस्टेंट्स से बातचीत के दौरान अपनी जिंदगी के उस समय का उदाहरण दिया और बताया कि किस तरह टीलीविजन शो 'दस का दम' ने उनकी सार्वजनिक छवि को एक अलग दिशा देने में मदद की। सलमान खान ने कहा कि उस समय उनके खिलाफ काफी नकारात्मकता थी। उनके कॉर्ट केस, रिश्तों और फिल्मों से जुड़ी चर्चाएं लगातार मीडिया में होती थीं।



अभिनेता के मुताबिक, उनकी फिल्मों और अभिनय से ज्यादा ध्यान उनकी निजी जिंदगी और विवादों पर केंद्रित हो गया था। उन्होंने बताया कि इसी दौर में उन्हें 'दस का दम' शो का प्रस्ताव मिला था। लगातार नकारात्मक मीडिया कवरेज के कारण सलमान टीलीविजन पर आने को लेकर हिचकिचा रहे थे। अभिनेता ने बताया कि उन्हें लगता था कि शो करके से पहले उन्हें अपने आसपास के माहौल पर विचार करना



पालतू डॉग ऑर को लेकर रश्मिका ने शेयर की मजेदार पोस्ट

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने चांदर के नीचे गहरी नींद में सो रहे अपने पालतू कुत्ते की एक तस्वीर साझा की। अभिनेत्री ने यह मजेदार पोस्ट तब साझा किया जब वह खुद काम में व्यस्त थीं, जबकि औरों आराम से अपना रिवॉवर बिता रहा था। इस तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने अपनी ईर्ष्या व्यक्त करते हुए औरों को बेहद भागशाली बताया। रश्मिका ने तस्वीर पर लिखा, ५५आंरा का हाल कुछ ऐसा है- मम्मी बिल्कूल सोई नहीं है और उन्हें काम पर भी जाना है लेकिन इससे किसी को क्या फर्क पड़ता है? पूरा बिस्तर तो मुझे इन ही मिल रहा है और मैं बहुत खुशी हूँ कि फिल्मत वाला ५५ अभिनेत्री का शैड्यूल इन दिनों काफी व्यस्त है, उनकी कुछ बड़ी फिल्में आने वाली हैं। वह अगली बार एक्शन-ड्रामा फिल्म 'मैसा' में दिखाई देगी। इस फिल्म का टीजर हाल ही में जारी किया गया था, जो एक दमदार मनोरंजन का विवाद करता है। टीजर में पानी के अंदर के शानदार दृश्य दिखाए गए हैं, जिनमें रश्मिका का पानी की तलहटी में हिसिया पकड़े बैठे रहने का दृश्य बेहद प्रभावशाली है।

रश्मिका ने इस फिल्म में एक गाँव आदिवासी महिला का किरदार निभाया है, जो एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है जिसके लिए गहन शारीरिक तैयारी और मुश्किल एक्शन दृश्यों की आवश्यकता थी। अनफर्गिंगला फिल्म द्वारा निर्मित 'मैसा' का निर्देशन नवीदित निदेशक रवींद्र पुल्ले ने किया है। यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, जिसमें व्यापक एक्शन और तकनीकी रूप से महत्वाकांक्षी दुर्घटना पर जोर दिया गया है। निर्माताओं ने एक बार फिर पुष्टि की है कि 'मैसा' 27 नवंबर, 2026 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले, रश्मिका को एक कठिन डांस सीकेंस की शूटिंग के दौरान कूल्हे में गंभीर चोट लग गई थी।



अभिनेत्री ने लगातार एक्शन और डांस की शूटिंग की, जिसके चलते उनके कूल्हे की एक नस पूरी तरह से अलग हो गई थी। डॉक्टर बोच की गंभीरता देखकर हैरान थे और उन्होंने अभिनेत्री को 6 सप्ताह तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी थी।



परिणीति चोपड़ा बनी पत्रकार

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और अभिनेता अमोल पालेकर की आगामी इन्वैस्टिगेटिव थ्रिलर फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में परिणीति एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो अवैध रेत खनन से जुड़े मामले की घुसताल कर रहे हुए निष्पत्ति हुए सच तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। फिल्म में देवेन भोजानी उनके केमरामैन की भूमिका में दिखाए दे रहे हैं। लम्बगढ़ दो भिन्दर दो सेकंड लंबे ट्रेलर में कहानी की शुरुआत एक गंभीर घटना की जांच से होती है। रिपोर्टर और केमरामैन अवैध रेत खनन से जुड़े मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रहे हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ उन्हें ऐसे प्रभावशाली लोगों का सामना करना पड़ता है, जो इस कारोबार से जुड़े सच को सामने नहीं आने देना चाहते। ट्रेलर में कहानी के दौरान कई नवानुपूर्ण घटनाएं दिखाई गई हैं। इसमें पौष्प करन, टकराव और हिंसा से जुड़े दृश्य भी शामिल हैं। जैसे-जैसे पत्रकार सच्चाई के करीब पहुंचते हैं, उनके लिए खतरा बढ़ता जाता है। फिल्म का केंद्र पत्रकारिता, जांच और सच्चे हुए सच को सामने लाने की कोशिश के इर्द-गिर्द रखा गया है। परिणीति चोपड़ा ने अपने किरदार को लेकर कहा है कि यह उनके लिए एक अलग तरह की भूमिका है।

पैपराजी पर भड़की नीतू कपूर

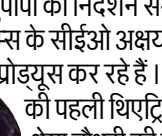
बॉलीवुड की अनुभवी अभिनेत्री नीतू कपूर ने हाल ही में अभिनेत्रियों की पीठ की तस्वीरें लेने के पैपराजी के जुनून पर तंज कसते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उनका यह बयान उस समय आया जब वे शहर में थीं और उन्हें घेरने वाले फोटोग्राफरों ने उनसे पीठ की तस्वीरें लेने का आग्रह किया। हाल ही में जब नीतू कपूर एक जगह से बाहर निकलकर अपनी कार की ओर बढ़ रही थीं, तो वहां मौजूद पैपराजी ने उनसे उनकी पीठ की तस्वीर लेने के लिए कहा। इस पर अभिनेत्री ने पलटकर कहा, आपका यह बहुत अच्छा लगता है ना, बैक ? पैपराजी ने इस बात से इनकार किया, जिसके बाद नीतू अपनी कार में बैठकर चली गईं। नीतू कपूर इंडस्ट्री की पहली ऐसी व्यक्ति नहीं हैं जिनोंने अभिनेत्रियों की इस तरह से तस्वीरें लेने के पैपराजी के गलत जुनून के बारे में बात की है। इससे पहले, अभिनेत्री नेहा धूपिया य भी अभिनेत्रियों के ऐसे बैक शॉट्स लेने के लिए पैपराजी की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने इसे अपमानजनक तरीका बताया था और इसे बंद करने की मांग की थी। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने भी नेहा धूपिया की बात का पर्जोर समर्थन किया था।



कॉमेडी शो का पति के साथ लुत्फ उठाया प्रीति जिंटा ने, वीडियो किया शेयर

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा अपने पति जिन गुडनफ के साथ एक कॉमेडी शो देखने पहुँची। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर शो की कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह पति जिन गुडनफ और स्वयं मैक्स अमिनी के साथ नजर आ रही हैं। यह शो मशहूर ईरानी-अमेरिकी स्टैंड-अप कॉमेडियन मैक्स अमिनी का था, जिसकी कुछ मजेदार झलकियाँ अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। उन्होंने मैक्स अमिनी के परफॉर्मेंस का एक वीडियो भी साझा किया। अपनी पोस्ट में, प्रीति जिंटा ने लिखा, सोमवार रात बहुत लाज आया। मैक्स अमिनी का मेरा पहला लाइव कॉमेडी शो था और उन्होंने बहुत ही मजेदार परफॉर्मेंस दी। आप बहुत टैलेंटड हैं मेरे दोस्त और मैं आपके लिए हमेशा और ज्यादा प्यार और तरक्की की दुआ करती हूँ। अभिनेत्री ने मैक्स अमिनी का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, शो में मुझे बुलाने और मेरा नाम लेने के लिए, और सबसे बढ़कर, पूरी रात हमें हँसाने और ख़तरी बड़ी मुस्कान के साथ घर भेजने के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। देख सारा प्यार। हाल ही में, अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने आप सात के लंबे अंतराल के बाद पेरिडड ड्रामा 'बंदवारा 1947' से बड़े पद पर वापसी की थी। सनी देओल अभिनीत यह एक्शन ड्रामा 14 अगस्त को रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म में सनी देओल की करीबी आवाज, उनके समुद्राव डायलॉग्स और शाबाना

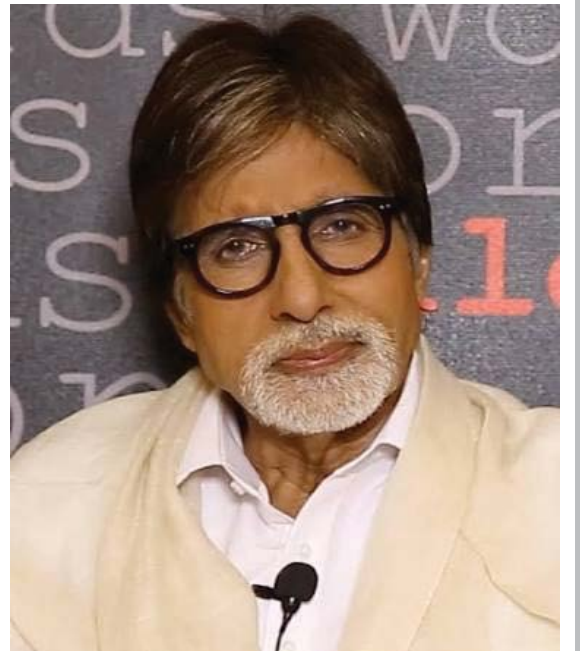
आजमी के अभिनय को दर्शकों ने सराहा, वहीं कुछ का मानना था कि फिल्म की कहानी में कुछ कमियाँ थीं। इसके बाद, प्रीति जिंटा फिल्म 'वाइब' में दिखाई दीं, जिसमें उनके साथ कुणाल खेमु, स्पर्श श्रीवास्तव और पदार्पण करने वाली वंशिका धीर मुख्य भूमिकाओं में थे। कुणाल खेमु के निर्देशन में बनी यह फिल्म दो जंगिरी दोस्तों, हार्दिक (कुणाल खेमु) और बरस (स्पर्श श्रीवास्तव) के इर्द-गिर्द घूमती है। हार्दिक हाल ही में एक पुनर्वास केंद्र से बाहर आया है और ड्रास के दलदल से निकलने की कोशिश कर रहा है। उसका दोस्त बरस एक बड़ी कंपनी में काम करता है और उसकी मदद करता है।



पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही है। मुपापा का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म को यशराज फिल्मस के सीईओ अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। मुपापा यशराज फिल्मस और पोशम पा पिक्चर्स की पहली थिएट्रिकल साझेदारी है।

श्रेया चौधरी की बात करें, तो उन्होंने साल 2017 में फिल्म डियर माया से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिल्म में उन्होंने इरा का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन उन्हें पहचान बंदिश बैड्टैट्स से मिली। इस सीरीज में उन्होंने समन्ता शर्मा का रोल निभाया था। तमन्ना एक पॉप स्टार हैं, जो वलासिकल और मॉडर्न म्यूजिक की दुनिया के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती है। श्रेया के इस किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके अलावा श्रेया शॉर्ट फिल्म द अदर वे में भी नजर आ चुकी है।

अमिताभ ने देर रात तक जागने और मन में आने वाले विचारों पर की चर्चा



हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने देर रात तक जागने और मन में आने वाले विचारों के बारे में खुलकर बात की है। अपने ब्लॉग पर अमिताभ बच्चन ने लिखा, कहा जाता है कि रात की नींद इसानी शरीर की मरम्मत का सबसे अच्छा तरीका है और मुझे इसका पालन करने के लिए समय निकालने में मुश्किल होती है। उन्होंने काम के लिए जल्दी उठने के मकसद से जल्दी सोने के अपने प्रयास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस एहसास को जोश और लंबे समय से तय लक्ष्यों को पाने की ताकत से भरा हुआ बताया। उन्होंने कहा, आज रात एक कोणिका है जल्दी सोने और काम के लिए जल्दी उठने की जयह एक अलग एहसास हैज कई विचारों पर आइडिया का दौरज सब जोश और उन लक्ष्यों को हासिल करने की भावना से भरे हुए हैं, जिन्हें कभी लक्ष्य माना जाता थाजयह सब मंजिल तक समय पर पहुँचने की जबरदस्त ताकत देता हैज और मुझे अब बिस्तर की ओर भागना चाहिए। सिनेमा के दिग्गज कलाकार इस समय लोकप्रिय क्रिज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में बतौर होस्ट नजर आ रहे हैं, जो ऑरिजिनल क्रिज शो 'हू वॉन्ट डू बी अ मिलियनेयर?' का आधिकारिक हिंदी रूपांतरण है। इस शो का फॉर्मेट अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्करणों जैसा ही है, जिसमें कंटेस्टेंट से मल्टीपल-चॉइस सवाल पूछे जाते हैं और उन्हें चार संभावित विकल्पों में से सही जवाब चुनना होता है। साथ ही, उन्हें कुछ लाइफलाइन भी दी जाती है, जिनका इस्तेमाल वे तब कर सकते हैं जब उन्हें जवाब को लेकर दुविधा हो। बिग बी, जिन्हें आखिरी बार टीजे ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेड्डेयन' में खेला गया था, वर्तमान में फिल्ममेकर नाग अश्विन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कलक' 2898 एडी के सीकल में व्यस्त हैं। इस विशालकाय परियोजना में उनके साथ कमल हासन और प्रभास जैसे सितारे भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कचीगाम भाजपा मंडल में हुई संगठनात्मक बैठक: कार्यकर्ताओं को दिया गया जरूरी मार्गदर्शन



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 9 अक्टूबर। दमण जिला के कचीगाम भाजपा मंडल द्वारा आज कचीगाम मंडल अध्यक्ष मनीष पटेल की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक

आयोजित की गई। इस बैठक में दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं कचीगाम सरपंच फाल्गुनी पटेल, जिला पंचायत सदस्य हंसा धोडी,

भाजपा नेत्री तरुणा पटेल सहित बड़ी संख्या में मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस बैठक के दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने मंडल के कार्यकर्ताओं को संगठन

को और अधिक मजबूत बनाने, पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पार्टी द्वारा किये जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने सहित का

मार्गदर्शन दिया। इस संगठनात्मक बैठक के माध्यम से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह एवं संगठन के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाने का संदेश दिया गया।

पंजाब में आयोजित राष्ट्रीय टी-10 क्रिकेट चैंपियनशिप में दानह की गर्ल्स टीम बनी उपविजेता

■ दानह के सभी युवा लड़कों ने भी जमाया अपना दबदबा: संजीव कुमार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 9 अक्टूबर। खेल मंत्रालय एवं युवा मामले के अंतर्गत दानह एवं दमण दीव में टी-10 लेडर बॉल एवं टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों की टीम का गठन किया गया। जिसमें 4 दिवसीय लेडर एवं टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप में लड़कियों एवं लड़कों को बराबरी का अवसर दिया गया। पंजाब के बटाला में कुल 12 राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब एवं दादरा नगर हवेली के महिला एवं पुरुष



खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिसके आयोजक पंजाब टी-10 क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया राज्य सचिव शमशेर सिंह एवं राष्ट्रीय सचिव संजीव कुमार उमर खान का पूर्ण सहयोग रहा। सभी आयोजकों ने दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए हौसला

बढ़ाया। अमृता सिंह ऑल राउंडर, रितिका सिंह सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज एवं विशाल वघात को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। दादरा नगर हवेली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक ही मैच में बनाए दुर्नामेंट का दूसरा सर्वाधिक स्कोर 60 बॉल में 156 रन विशाल वघात का बनाया 98 प्रणव घोष 47 एवं

शुभम गोस्वामी ने 4 विकेट लिए। जिसमें स्वाति मिशाल, सोनल सिंह राजपूत, रितिका सिंह, अंजली यादव, कृष्णा पटेल, प्रणव घोष, अमन राजपूत, शुभम गोस्वामी, विशाल वघात, अनुराग मौर्या, प्रियांशु शर्मा, कुश सावंत, रौनक यादव, ध्रुव रोहित, हुसैन अगन, अंकुश अडौरिया, सागर शर्मा, तुषार राय दिव्यांशु राजपूत,

प्रियांशु बिष्ट ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जिसमें दानह प्रशासन ने सभी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए दानह एवं दमण दीव खेल विभाग की ओर से भी सभी लड़कियों एवं लड़कों को शुभकामनाएं दीं। संघ प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए सभी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया।

संघ प्रदेश श्रीडी में मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष अभियान संपन्न

■ दमण में फॉर्म 6 के वितरित 817 में 617, दीव में 326 में 143 और दानह में 1741 में 894 आवेदन विभाग के पास वापस जमा हुए हैं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/दीव/सिलवासा, 9 अक्टूबर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में संघ प्रदेश श्रीडी में छूटे हुए, पहली बार के और युवा पात्र मतदाताओं की पहचान और नामांकन के लिए 7 से 9 अक्टूबर तक एक विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान संघ प्रदेश श्रीडी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस तीन दिवसीय विशेष अभियान के दौरान केंद्रशासित प्रदेश के तीनों जिलों से भारी मात्रा में आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें अंतिम समीक्षा के लिए एकत्रित किया गया है। जिसमें दमण जिले में नए मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 के वितरित 817 फॉर्म में से 617 भरे हुए फॉर्म जमा मिलें। इसी तरह प्रवासी मतदाताओं से जुड़े फॉर्म-6ए का वितरित 1 आवेदन

भी प्राप्त हुआ। दमण में नाम हटाने से जुड़ा फॉर्म-7 का कोई मामला सामने नहीं आया, जबकि मतदाता सूची में सुधार या पते के स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 के बांटे गए 89 फॉर्म में से 52 प्राप्त किए गए हैं। इसी तर्ज पर दीव जिले में फॉर्म-6 के वितरित 326 फॉर्म में से 143 प्राप्त किए गए। जबकि फॉर्म-6ए और फॉर्म-7 के तहत एक भी आवेदन दर्ज नहीं किया गया और फॉर्म-8 के वितरित 38 फॉर्म में से 31 जमा किए गए हैं। यदि बात दादरा नगर हवेली जिला की जाए तो यहाँ फॉर्म-6 का रिकॉर्ड वितरित 1741 फॉर्म में से 894 आवेदन विभाग को प्राप्त हुए हैं और फॉर्म-6ए का कोई आवेदन नहीं आया, लेकिन फॉर्म-7 के बांटे गए 171 फॉर्म में से केवल 1 आवेदन वापस जमा हुआ। वहीं, फॉर्म-8 के वितरित 184 फॉर्म में से 147 आवेदन प्राप्त हुए।



अगर पूरे संघ प्रदेश श्रीडी की बात की जाए, तो तीनों जिलों को मिलाकर फॉर्म-6 के वितरित 2884 फॉर्म में से 1654 प्राप्त किए गए। जबकि फॉर्म-6अ के वितरित 1 फॉर्म है और 1 ही प्राप्त हुआ। इसके बाद फॉर्म-7 के वितरित कुल 171 फॉर्म में से केवल 1 प्राप्त हुआ है। जबकि फॉर्म-8 के बांटे गए कुल 311 फॉर्म में से 230 जमा किए गए। गौरतलब है कि इस विशेष अभियान मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी

पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे। इस विशेष अभियान के तहत उन युवा नागरिकों पर विशेष ध्यान दिया गया जो पंजीकरण की योग्यता आयु प्राप्त कर चुके हैं या उसके करीब हैं। उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने और मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक किया गया। इस उद्देश्य के लिए केंद्रशासित प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष शिविर आयोजित किए गए थे। शिविरों के दौरान स्थानीय स्तर पर

जागरूकता गतिविधियां चलाई गईं ताकि छूटे हुए नागरिक आगे आकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवा सकें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी मतदाता पंजीकरण स्थिति की जांच करें और पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 जमा करें।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client **SHRI KAMLES BICU** agreed to purchase the immovable properties being Agriculture land bearing Survey No. 229/4, Adm. 2500.00 Sq. Mts., Survey No. 245/4, Adm. 1600.00 Sq. Mts. and Survey No. 244, Adm. 1900.00 Sq. Mts., all located at Village Bhimpore, Daman from (1) **CHANDRAKANT HIRALAL JOSHI**, (2) **HARSHADRAI HIRALAL JOSHI**, (3) **SURESHCHANDRA HIRALAL JOSHI**, (4) **DIPAK HIRALAL JOSHI**, (5) **NAYAN RAMESHCHANDRA JOSHI**, (6) **NATVARLAL HIRALAL JOSHI**, (7) **ANKURKUMAR RAMESHCHANDRA JOSHI**. It is therefore, informed that if any person / institute/ organization/ trust/ companies, has/have any right, title, interest, claim, lien, easement, attachment or any kind of pertaining to the said properties are required to contact the undersigned along with all documentary evidence within 7 days and in default thereof said claim, objection, shall not be binding to my client, which may please be noted.

Adv. Seema V. Hansraj
Ambawadi, Moti-Daman, Daman,
Mob:- 9978010135, 8980951269

दमण पुलिस ने देहव्यापार रैकेट का किया भंडाफोड: दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, दो युवतियों को छुड़ाया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 9 अक्टूबर। महिलाओं के शोषण को रोकने और अनेतिक व्यापार पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत दमण पुलिस ने एक बड़े देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मौके से दो पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि, पुलिस को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम ने 8 अक्टूबर 2026 को नानी दमण के कड़ैया स्थित बिग-सूरत सिटी के बंगला

नंबर 23 में औचक छापेमारी की। तलाशी के दौरान वहां दो पुरुष और दो महिलाएं व्यावसायिक यौन शोषण की गतिविधियों में लिप्त पाए गए। कड़ैया तटीय पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कर अनेतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत दोनों आरोपी सूर्यप्रकाश उर्फ गुड्डु गुप्ता (41 वर्ष) हाल निवासी- दिलीपनगर, नानी दमण और मूल निवासी- कुशीनगर, उत्तर प्रदेश और विजेंद्र कुमार श्रीरामनाथ साकेत (32 वर्ष) हाल निवासी- वडोली, गुजरात और मूल निवासी- मऊगंज, मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। इस



जांच में सामने आया कि पकड़े गए दोनों आरोपी आर्थिक लाभ के लिए ग्राहकों को बुलाकर यह अवैध नेटवर्क चला रहे थे। मौके से पुलिस ने दो मोबाइल फोन और अन्य सामग्री बरामद की है। बचाई गई महिलाओं की गोपनीयता और गरिमा बनाए

रखने के लिए पुलिस ने उनकी पहचान पूरी तरह गुप्त रखी है। मामले की आगे की कानूनी जांच जारी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ देह व्यापार (प्रिवेशन) की धारा 4,5,6, एवं 7 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

गुजरात रणजी ट्रॉफी 2026-27 के लिए दमण के सरल प्रजापति का हुआ चयन

■ क्रिकेट कोच भगु पटेल ने सरल प्रजापति को दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 9 अक्टूबर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित अखिल भारतीय चार दिवसीय रणजी ट्रॉफी का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से होने जा रहा है। जिसमें दमण के बांये हाथ के स्पिन गेंदबाज सरल प्रजापति गुजरात टीम से अपना दमखम दिखाते हुए नजर आएंगे। गुजरात अपना पहला मैच नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में ओडिशा के सामने खेलेगा। सरल प्रजापति के चयन पर उनके कोच भगु पटेल ने खुशी जताते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते बताया है कि सरल एक बहुत ही बढ़िया क्रिकेटर है, जिसने गुजरात से अंडर-14,16,19,23,25 जैसे सभी आयु वर्ग में खेलते हुए बल्ले और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। आगे क्रिकेट कोच भगु पटेल ने बताया है कि सरल को मैने क्रिकेट के सभी गुर बहुत ही



बारीकी से सिखाए हैं। जिसमें सरल ने बहुत मेहनत की है और जिसका फलस्वरूप आज सरल का चयन गुजरात रणजी ट्रॉफी के लिए हुआ है जो दमण जैसे छोटे प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। क्रिकेट कोच भगु पटेल ने अपने बयान में आगे बताया है कि सरल पर मुझे पूरा भरोसा है कि

गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने सरल पर जो भरोसा जताया है उसपर वह खरा उतरागा और गुजरात टीम को जीत दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभायेगा। सरल के चयन पर सरल का परिवार, सरल के चाहनेवाले और दमण के सभी क्रिकेट प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

संघ प्रदेश श्रीडी में पीएम ई-विद्या डीटीएच टीवी चैनलों हेतु चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 9 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डॉयट) दमण तथा केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईआईटी)-एनसीईआरटी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय (24 घंटे) अभिविन्यास-सह-प्रशिक्षण कार्यशाला का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 05 से 08 अक्टूबर 2026 तक संचालित यह कार्यशाला पीएम ई-विद्या डीटीएच टीवी चैनलों के लिए उच्च गुणवत्तायुक्त ई-कंटेंट के विकास पर केंद्रित थी। इसमें संघ राज्य क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 40 चयनित शिक्षकों एवं प्रतिनिधियों ने सक्रिय प्रतिभाग किया। एनसीईआरटी के विषय-विशेषज्ञों डॉ. कमलेश कुमार यादव, पूर्वी छाजेड़, अखिलेश वर्मा, मोनिका भाकुनी तथा बीआईएसएजी-एन से मयंक प्रजापति अर्पित के कुशल

मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को ई-कंटेंट निर्माण की बारीकियों, जैसे-रिफ़्ट लेखन, प्रो-डक्शन, वीडियो शूटिंग, पोस्ट-प्रोडक्शन (एडिटिंग) और पीएम ई-विद्या मोबाइल ऐप के प्रभावी उपयोग का गहन व्यावहारिक अभ्यास, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), कॉपीराइट नियमों, एआई (एआई) के नैतिक उपयोग तथा बीआईएसएजी-एन टीम के माध्यम से शैक्षणिक वीडियो प्रसारण की प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने विभिन्न समूहों में विभाजित होकर स्वयं स्क्रिप्ट तैयार की, उसका मूल्यांकन किया तथा रिकॉर्डिंग एवं पोस्ट-प्रोडक्शन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वीडियो का निर्माण किया। 08 अक्टूबर 2026 को शिक्षा सदन, डायट दमण के सम्मेलन कक्ष (काफ़्रेंस हॉल) में समापन किया गया।

समारोह आयोजित किया गया। जिसमें शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कार्यशाला से प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान और मार्गदर्शन की सराहना की। सीआईआईटी-एनसीईआरटी से प्रो. अमरेंद्र पी. बेहरा एवं प्रो. अभय कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। डायट दमण के प्राचार्य आई. वी. पटेल एवं अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक (एसपीडी, एसएस) ने शिक्षकों को सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का कुशल समन्वय डायट दमण की प्रवक्ता साधना त्रिपाठी द्वारा किया गया।

TORRENT POWER DNHDD			
विजली बंद होने की सूचना			
उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क मेंटेनेंस की योजना बनाई गई है। निम्न दर्शित सर्वोपलब्ध स्वचालित से ग्राहकों को मिलने वाली बिजली सुबह ९:३० से शाम ६:०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।			
दिनांक	सबसेटेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
१४-१०-२०२६ (बुधवार)	सिस्ली	११ केवी किलवानी ग्रामीण फीडर	बोंटा डुंगरीपाडा डब्ल्यूटीपी, बोंटा शनिदेव मंदिर, बोंटा बोरसपाडा, बोंटा आयुष्मानभारत, बोंटा डुंगरीपाडा, बोंटा कनबिपाडा, बोंटा कुवापाडा, बोंटा डब्ल्यूटीपी, बोंटा कोंडापाडा, मोटा रांधा चौकीपाडा, मोटा रांधा चौकीपाडा डब्ल्यूटीपी, मोटा रांधा महलपाडा, मोटा रांधा चार रस्ता, मोटा रांधा खोरीपाडा, मोटा रांधा पारसीपाडा, मोटा रांधा बरमल मार्केट, मोटा रांधा वागनपाडा, मोटा रांधा भोयापाडा-१, मोटा रांधा भोयापाडा-२, नाना रांधा जईपीएल, नाना रांधा पवी नगरी, नाना रांधा डुंगरीपाडा, नाना रांधा बिजोरीपाडा, सुर्वा पुराना किला, पर्व श्रमोप्लास्ट
असुविधा के लिए खेद है।			
दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा वरिष्ठ एवं दिव्यांग नागरिकों के लिए बिजली बिजली संबंधित सेवाएं, जिनको घर बैठे कॉल करके प्राप्त किया जा सकता है।			
● बिजली बिल में नाम बदलना ● बिजली कनेक्शन के स्थान में परिवर्तन ● बिजली आपूर्ति में सुधार ● नए बिजली कनेक्शन के लिए ● बिजली बिलों का मुहताम			
आपकी सेवा में सदैव उपस्थित			
Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551			
connect.torrentpower.com			
connect.dnhdd@torrentpower.com			